● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 170, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार, 31 जुलाई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

अजित पवार गुट को मिला सुप्रीम कोर्ट का नोटिस 5

शर्त पर आईपीएल-2025 में खेलेंगे धोनी 6

पीएम सूर्य घर योजना में हर घर को 75,000 रु. मिलेंगे

मोदी बोले- ये योजना रिवॉल्यूशन लाएगी, हमनें ग्रीन जॉब सेक्टर के लिए रोडमैप तैयार किया

नई दिल्ली। भारत में हमने ग्रीन जॉब सेक्टर के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। हम ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स जैसे सेक्टर्स को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना में सरकार एक-एक घर को 75,000 रुपए देने वाली है। ये अपने आप में बहुत बड़ा रिवॉल्यूशन होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 30 जुलाई को दिल्ली के विज्ञान भवन में जर्नी टुवर्ड्स विकसित भारत के उद्घाटन सत्र में ये बात कही। सीआईआई ने इसका आयोजन किया है।

पिछली सरकार का जो आखिरी बजट आया था वो 16 लाख करोड़ रुपए का था। आज हमारी सरकार में ये बजट 3 गुना बढ़कर 48 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। पहले की सरकार की तुलना में रेलवे का बजट 8 गुना बढ़ाया है, हाईवे का बजट 8 गुना, एग्रीकल्चर का बजट 4 गुना से ज्यादा और डिफेंस का बजट दोगुना से ज्यादा बढ़ाया है।

ग्लोबल अनिश्चितता के समय में भी भारत के फॉरेन एक्सचेंज में अच्छी खासी ग्रोथ हुई है। भारत हाई ग्रोथ और लो इन्फ्लेशन वाला इकलौता देश है। महामारी के बावजूद भारत का फिस्कल प्रूडेंस पूरी दुनिया के लिए रोल मॉडल है। ग्लोबल ग्रोथ में भारत का शेयर 16% हो गया है।

भारत ने ये ग्रोथ तब हासिल कर दिखाई है जब 10 साल में इकोनॉमी को झटका देने वाले अनेक संकट आए। हमनें हर संकट का मुकाबला किया। अगर ये

संकट नहीं आते तो भारत आज जहां पहुंचा है इससे भी कई आगे होता। ये मैं अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूं।

2014 में 1 करोड़ रुपए कमाने वाली एमएसएमईएस प्रिजम्पटिव टैक्स देती थी। हमने इस सीमा को 1 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ किया। 2014 में 50 करोड़ तक कमाने वाली एमएसएमई को 30% टैक्स देना होता था। आज ये रेट 22त्न है। 2014 में कंपनियां 30त्न कॉर्पोरेट टैक्स देती थी। आज 400 करोड़ आय वाली कंपनियों के लिए रेट 25% है।

इंडस्ट्री 4.0 को ध्यान में रखते हुए हमने स्किल डेवलपमेंट और एम्प्लॉयमेंट पर फोकस किया है। आज देश के युवाओं में मिजाज बना है कि अपने दम पर कुछ करके दिखाना है। मुद्रा योजना की मदद से 8 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पहली बार कोई बिजनेस शुरू किया है। करीब 1.40 लाख स्टार्टअप में लाखों युवा काम कर रहे हैं।

इस बजट में 2 लाख करोड़ रुपए के पीएम पैकेज की घोषणा हुई है। इसका फायदा 4 करोड़ से ज्यादा युवाओं को मिलेगा। इसका विजन साफ है। भारत की मैनपावर ग्लोबली कॉम्पिटिटिव हो, भारत का प्रोडक्ट ग्लोबली कॉम्पिटिटिव हो। सिर्फ क्वालिटी नहीं वैल्यू से भी कॉम्पिटिटिव हो।

हम इंटर्नशिप स्कीम भी लेकर आए हैं। एम्प्लॉयमेंट जनरेशन करने वालों को इंसेंटिव मिले इसका भी हमने ध्यान रखा है। इसलिए सरकार ने ईपीएफओ कॉन्ट्रीब्यूशन में इंसेंटिव की घोषणा की है।

ये सबने देखा है कि 10 साल में भारत का मैन्युफैक्चिंग सेक्टर कैसे ट्रांसफॉर्म हुआ है। हमने मेक इन इंडिया जैसा अभियान शुरू किया, एफडीआई नियमों को सरल किया, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क बनाए, 14 सेक्टर के लिए पीएलआई स्कीम लॉन्च की। इसका मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर को फायदा मिला है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा एवं सुरक्षा बीमा योजना के बीमा कवर का लाभ देने मंत्रि-परिषद की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना अंतर्गत प्रदेश की निर्धारित आयु वर्ग की पात्रता अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, मिनी आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बीमा कवर का लाभ देने के सम्बन्ध में स्वीकृति दी गई। स्वीकृति अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को सुरक्षा कवर प्रदान करने के उद्देश्य से योजनाओं के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-2026 में प्रतिवर्ष क्रमशः राशि रूपये 3 करोड़ 63 लाख केंद्रांश एवं 2 करोड़ 42 लाख रूपये राज्यांश के होंगे। इस प्रकार 2 वित्तीय वर्ष के लिये कुल राशि 12 करोड़ 10 लाख रूपये की

स्वीकृति प्रदान की गई। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आंगनवाड़ी सहायिका को राशि 436 रुपये प्रति हितग्राही वार्षिक प्रीमियम के भुगतान से, किसी कारण से मृत्यु की दशा में 2 लाख रुपये का जीवन जोखिम कवर किया जाएगा। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 18-59 वर्ष की आयु वर्ग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आंगनवाड़ी सहायिका को राशि 20 रुपये प्रति हितग्राही वार्षिक प्रीमियम के भुगतान से दुर्घटना में मृत्यु एवं स्थाई पूर्ण अपंगता की स्थिति में 2 लाख रुपये तथा आंशिक किन्तु स्थाई की स्थिति में 1 लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है। निःशक्तता उक्त दोनों बीमा योजनाओं का क्रियान्वयन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आंगनवाड़ी सहायिका के मानदेय जमा किये जाने वाले बैंक खाते से संबंधित बैंक शाखा द्वारा किया जाएगा। इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आंगनवाड़ी सहायिका की सहमति से बैंक खाते से बीमा योजना के प्रीमियम की राशि का कटोत्रा किया जाएगा।

संसद में जम्मू-कश्मीर का बजट पास

पिछले साल के मुकाबले 110 करोड़ कम, इंफ्रा और रोड पर फोकस, 370 हटने के बाद 5वां पूर्ण बजट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार (30 जुलाई) को संसद में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का 5वां पूर्ण बजट पेश किया। इसे ध्वनी मत से पारित किया गया। जम्मू-कश्मीर के लिए फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के लिए 1 लाख 18 हजार 390 करोड़ रुपए का बजट पेश हुआ है। बीते साल यह 1 लाख 18 हजार 500 करोड़ रुपए था। इस साल इसमें 110 करोड़ की कमी आई है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में

जम्मू-कश्मीर के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 7.5% की ग्रोथ और 7,902 करोड़ रुपए राजकोषीय घाटा (फिस्कल डेफिसिट) रहने का अनुमान है। इससे पहले 5 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लिए फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के लिए 1.18 लाख करोड़ रुपए का अंतरिम बजट पेश किया था।

बजट में कहा गया है कि यह जम्मू-कश्मीर के विकास का बजट है। इसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को शामिल किया गया है। इसका लक्ष्य जम्मू-कश्मीर के लोगों की बेहतरी के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास की गति को तेज करना है। प्रदेश में निर्वाचित सरकार नहीं होने की वजह से यह जम्मू-कश्मीर का 5वां पूर्ण बजट है जो संसद में पेश हुआ है।

मालगाड़ी से टकराने के बाद हावड़ा-मुंबई मेल की 20 बोगियां पटरी से उतरीं, 2 की मौत

रांची। झारखंड के सरायकेला में मालगाड़ी से टकराकर हावड़ा-मुंबई मेल (12810) दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा मंगलवार तड़के 3:43 बजे हुआ। टक्कर के बाद यात्री ट्रेन के 20 डिब्बे पटरी से उतर गए। अब तक दर्जनों यात्रियों के घायल होने की सूचना है। 2 यात्रियों के शव निकाले गए हैं। हादसा झारखंड के चक्रधरपुर रेल मंडल में बड़ाबंबू के पास हुआ है। सूचना मिलते ही राहत तथा बचाव दल को मौके पर रवाना किया गया।

अनुराग ने गाली दी, उनसे माफी नहीं चाहिए : राहुल

ठाकुर ने कहा था- जिसकी जाति का पता नहीं, वे जातीय जनगणना की मांग कर रहे

नई दिल्ली। संसद सत्र के सातवें दिन मंगलवार, 30 जुलाई को अग्निवीर और जातिगत जनगणना पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, राहुल गांधी और अखिलेश यादव भिड़ गए। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा- आपके बोलने के लिए पर्ची आती है। उधार की बुद्धि से राजनीति नहीं चलती।

ठाकुर ने फिर कहा- आजकल कुछ लोगों पर जाति जनगणना का भूत सवार है। जिसको जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना कराना चाहते हैं।

इस पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। राहुल गांधी ने अनुराग ठाकुर पर गाली देने का आरोप लगाया। अखिलेश भी बोले- कोई किसी की जाति कैसे पूछ सकता है।

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस से बने पूर्व प्रधानमंत्रियों का जिक्र किया और हर दौर में हुए घोटालों का जिक्र करते हुए कहा- मैं पूछना हूं कि चाहता हलवा किसे मिला। कुछ लोग ओबीसी की बात करते हैं। इनके लिए ओबीसी का मतलब है, ऑनली फॉर ब्रदर इन लॉ कमीशन। मैंने कहा था, जिसको जाति का पता नहीं, वो गणना की बात करता है। मैंने नाम किसी का नहीं लिया था, लेकिन जवाब देने कौन खड़े हो गए।

ठाकुर ने यह भी कहा कि, असत्य के पैर नहीं होते और यह कांग्रेस पार्टी के कंधे पर सवारी करता है। जैसे मदारी के कंधे पर बंदर होता है। राहुल गांधी के कंधे पर असत्य का बंडल होता है।

भोजशाला पर सुप्रीम कोर्ट में नहीं हुई सुनवाई,एएसआई की रिपोर्ट पर एमपी हाईकोर्ट नहीं ले सकता फैसला

इंदौर। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने एक अप्रैल 2024 को जारी अपने आदेश के तहत की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे रिपोर्ट पर हाई कोर्ट द्वारा कोई निर्णय लेने पर रोक लगा दी थी। इस आदेश को निरस्त करके रोक हटाने की मांग हिंदू फ्रंट फार जस्टिस की ओर से याचिका दायर करके सुप्रीम कोर्ट से की गई है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ इंडिया का धरना खत्म

नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में इंडिया ब्लॉक ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। पंजाब, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना समेत देश के 19 राज्यों में धरना-प्रदर्शन हुए।

अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल आम आदमी पार्टी के नेताओं सहित मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है। आप ने बीजेपी पर केजरीवाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पार्टी ने उनकी मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया है कि तीन जून से सात जुलाई के बीच उनका शुगर लेवल 34 बार गिरा।

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सिर्फ एक बयान पर ईडी ने अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया। ईडी ने एनडीए सांसद मगुंटा रेड्डी से हुई मुलाकात को घुमा दिया। सांसद पर दबाव बनाया कि आरोप लगाओ, अरविंद केजरीवाल ने मुझसे 100 करोड़ रुपए मांगे थे।

वायनाड में 4 घंटे में 3 लैंडस्लाइड, 119 मौतें

वायनाड। केरल के वायनाड में तेज बारिश की वजह से सोमवार देर रात 4 अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हुई। रात 2 बजे से सुबह 6 बजे के बीच हुए लैंडस्लाइड में 4 गांव बह गए। मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां भी बह गईं।

अब तक 119 लोगों की मौत हो चुकी है। 116 अस्पताल में हैं, जबकि 98 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर है। रेस्क्यू के लिए आर्मी, एयरफोर्स, स्छत्रन्न और एनडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद है।

कन्नूर से आर्मी के 225 जवानों को वायनाड के लिए रवाना किया गया है। एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर भी रेस्क्यू के लिए भेजे गए, लेकिन बारिश के चलते उन्हें कोझिकोड लौटना पड़ा।

सेना की स्पेशल डॉग यूनिट के ट्रेंड डॉग्स, जिनमें बेल्जियन मैलिनोइस, लैब्राडोर और जर्मन शेफर्ड जैसी नस्लें शामिल हैं, वायनाड में भूस्खलन प्रभावित मेप्पाड़ी के लिए रवाना किए गए हैं। इधर, केरल सरकार ने इस हादसे के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। इस बीच, मौसम विभाग ने राज्य के 8 जिलों में बुधवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस वजह से कल इन जिलों के शिक्षण संस्थान बंद करने का फैसला किया गया।

वायनाड के 4 गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। 5 साल पहले 2019 में भी भारी बारिश की वजह से इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी। 5 लोगों का आज तक पता नहीं चला। 52 घर तबाह हुए थे। वायनाड का मुंडक्कई गांव लैंडस्लाइड की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने वाला पुल बह गया है, जिससे क्षेत्र तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। एनडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम पैदल चलते हुए यहां तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मुंडक्कई में करीब 250 लोगों के फंसे होने की खबर है। यहां कई घर बह गए है। यहां 65 परिवार रहते थे। यहीं पास के एक टी एस्टेट के 35 कर्मचारी भी लापता हैं।

पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष पद से अधीर रंजन का इस्तीफा

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से अधीर रंजन चौधरी ने इस्तीफा दे दिया है। राज्य प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए प्रक्रिया जारी है, जल्द ही नए नाम की घोषणा की जाएगी।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने 29 जुलाई को पश्चिम बंगाल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की थी। इसमें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के साथ संबंधों सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके बाद ही अधीर रंजन ने इस्तीफा दिया है। अधीर रंजन चौधरी हमेशा से ममता बनर्जी के विरोधी रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी के बीच सीट शेयरिंग की चर्चा थी, लेकिन अधीर ने उसका खुलकर विरोध किया था। इसके बाद ममता ने कांग्रेस से किनारा कर लिया था। हालांकि कांग्रेस को इसका नुकसान उठाना पड़ा और खुद अधीर रंजन बहरामपुर से टीएमसी के यूसुफ पठान से चुनाव हार गए।

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर कसा तंज

नई दिल्ली। अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट पर बोलते हुए भाजपा को जमकर घेरा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार की वजह बताते हुए कहा कि आपने यूपी में काम नहीं किया। यही कारण है कि सीटें 2019 की तुलना में घट गईं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि जिसकी वजह से हारे हो, उसको हटा नहीं पा रहे हो।

अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में 10 साल में डबल इंजन की सरकार ने कोई काम नहीं किया। हम आज भी वहीं खड़े हैं, जहां पहले हुआ करते थे। इसी कारण यूपी की जनता ने इनको यह परिणाम दिया है। आपने अगर सही काम किया होता है, तो यह परिणाम लोकसभा में देखने को नहीं मिलते। पीएम मोदी तक अपनी सीट पर 5 लाख से ज्यादा वोट से नहीं जीत पाए।

अखिलेश यादव ने बजट की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने 11वां बजट पेश किया, लेकिन उसमें भी कुछ नहीं दिया। यह तीसरी बार सरकार बना पाए हैं, लेकिन खुशी गायब है। चेहरों से लगता है कि हारे हुए लोग बैठे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में कोई बड़ी कंपनी नहीं आई है। यूपी सबसे ज्यादा सांसद दिल्ली भेजता है। वह तय करता है कि किसकी सरकार बनेगी, लेकिन वह खाली हाथ है। कोई बड़ा प्रोजेक्ट इस सरकार ने यूपी को नहीं दिया है। 10 साल में यूपी में कोई आईआईएम और आईआईटी नहीं खुला है।

अखिलेश यादव ने पीडीए का मुद्दा उठाते हुए कहा कि निजीकरण का समर्थन करने वाले कहते हैं कि इससे नौकरियां आएंगी। सरकार ने कई जगह निजीकरण कर दिया है, लेकिन नौकरियां खत्म हो गईं।

यूपी कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे और बहू का भंयकर एक्सीडेंट

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे अभिषेक और बहू कृष्णिका का भीषण एक्सीडेंट हुई है। वह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से लखनऊ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान उनकी तेज रफ्तार मर्सडीज कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का इंजन बाहर निकलकर सड़क पर आ गिरा। 11 जुलाई को मंत्री नंदी के बेटे अभिषेक की शादी हुई थी। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए थे। उन्होंने दोनों को आशीर्वाद भी दिया था।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसे में कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल नन्दी के बेटे अभिषेक और बहू कृष्णिका घायल।

यूपीए सरकार ने किसानों को लागत पर 50फीसदी लाभ देने से किया था इनकार, कृषि मंत्री ने लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली यूपीए सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि साल 2006 में में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि किसानों की लागत में 50 % लाभ जोड़कर मिनिमम सपोर्ट प्राइज तय किया जाए, लेकिन उस समय की यूपीए सरकार ने इसे देने से इनकार कर दिया था।

बता दें कि लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन से

संबंधित एक पूरक प्रश्न पूछा और कहा कि आंदोलन के दौरान लगभग 750 किसानों की जान चली गई। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी जान गंवाने वालों के परिजनों को नौकरी देने पर विचार कर रही है।

इस सवाल के जवाब में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रश्न मुख्य प्रश्न से संबंधित नहीं था, जो किसानों के सामने आने वाले मुद्दों पर था। उन्होंने कहा, सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमने 6 सूत्रीय रणनीति बनाई है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था, जिसमें किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत लाभ देने का सुझाव दिया गया था। उन्होंने कहा, कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट 2006 में आई थी और उसमें कहा गया था कि फसलों के लिए एमएसपी की गणना में लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़ा जाना चाहिए। उनकी सरकार ने इससे इनकार कर दिया था। मेरे पास दस्तावेज हैं। उनके मंत्री कांतिलाल भूरिया ने कहा था कि 50 प्रतिशत लाभ नहीं दिया जा सकता। उस समय शरद पवार कृषि मंत्री थे, उन्होंने भी कहा था कि यह नहीं दिया जा सकता।

कृषि मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने कई फसलों के लिए एमएसपी में बढ़ोत्तरी की है। उन्होंने दावा किया, मोदी सरकार ने एमएसपी में 50 प्रतिशत लाभ जोड़ा है।

भ्रष्टाचार की फाइलें 5 महीने से जिला पंचायत सीईओ के यहां खा रही धूल

मामला जनपद पंचायत चितरंगी के गांव धवई का, जन सुनवाई में सचिव और रोजगार सहायक की खुली पोल

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा पीएम आवास बिना मकान बने ही पैसों की हो गई निकासी

सिंगरौली। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है. जी हां मंगलवार को जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना में भी गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। सचिन और रोजगार सहायक अपने परिजनों के नाम से प्रधानमंत्री आवास बनाए बिना लाखों रुपए निकाल लिये। जबकि जमीनी पर प्रधानमंत्री आवास बना ही नहीं। शिकायतकर्ता ने धवई गांव के प्रधानमंत्री आवास मनरेगा सहित अन्य निर्माण कार्यों की शिकायत 5 महीने पूर्व जिला पंचायत अधिकारी के यहां शिकायत कर चुका है बावजूद इसके अभी तक भ्रष्टाचार की पहले धूल फांक रही है। अभी तक भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। इस इस भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच हो तो इसकी आंच जिला पंचायत तक पहुंचेगी। धवई गांव के एक दर्जन से अधिक निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

गौरतलब है कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र चितरंगी में नौकरशाह समय-समय पर भ्रष्टाचार की नई इमारत लिखने का चलन कोई नया नहीं है।? आज जनपद पंचायत चितरंगी के गांव धवई निवासी लाल प्रसाद यादव ने जनसुनवाई में गांव के सचिव और रोजगार सहायक के कारनामों की जिला पंचायत अधिकारी के सामने पोल खोल दी जो पूरे सरकारी सिस्टम पर सवाल खड़े कर रहा है. शिकायतकर्ता ने बताया कि रोजगार सहायक अपने पिता और भाई सहित परिवार के अन्य सदस्यों के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि निकाल ली। लाभार्थी रिश्तेदारों ने पीएम आवास की नींव भी नहीं रखी है और ना ही आवास बनाया है। इसके बावजूद उस लाभुक को पीएम आवास योजना की पूरी राशि भेज कर आवास पूर्ण बताया गया है। सचिन और रोजगार सहायक के कारनामों की शिकायत पांच महीने पहले की गई लेकिन शिकायत की फाइल जिला पंचायत में ही धूल खाती रही। वहीं जिला पंचायत में पदस्थ चौधरी बाबू रोजगार सहायक को बचाने की साजिश में लगा है ताकि भ्रष्टाचार में कमाए हुए पैसों में उसकी हिस्सेदारी ज्यादा हो।

शिकायतकर्ता ने जनसुनवाई में कलेक्टर से धवई गांव को भ्रष्टाचारियों से बचने की गुहार लगाते हुए कहा कि 5 महीने पहले मुख्य कार्यपालन अधिकारी से सारे सबूत को देते हुए जांच करने की मांग की। लेकिन फाइल जिला पंचायत में 5 महीने धूल खाती रही। संभवत इसका कारण स्पष्ट रूप से समझ में नहीं आ रहा की जांच में देरी क्यों की गई। हालांकि जिम्मेदारों ने 26 जून को जनपद पंचायत चितरंगी को जांच के लिए निर्देशित किया और 2 जुलाई को जांच प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए लेकिन अभी तक इस मामले में जिला पंचायत सीईओ की जांच कहां पहुंची यह किसी को नहीं पता।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि धवई रोजगार सहायक महेंश शाह अपने पिता और सगे बड़े भाई सहित सेज बड़े पिताजी के पुत्र काशीराम यादव के नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करा ली। हालांकि प्रधानमंत्री आवास की नींव तक नहीं खोदी गई लेकिन पंचायत के खाते से 4 लाख 50 हजार रुपए का बंदर बांट कर लिया गया।

वहीं मनरेगा के तहत हुए कामों का रोजगार सहायक ने अपनी भाभी सरोजिया यादव को फर्जी भुगतान कर दिया है जबकि वह स्कूल में मध्यान बनाने का काम करती है। साथ ही कंपनी में काम करने वाले रामदयाल और उसकी पत्नी सुनीता को मनरेगा में लाखों रुपए का फर्जी भुगतान कर दिया गया।

भाजपा कार्यालय में पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद प्रभात झा को दी गई श्रद्धांजलि

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा का विगत 26 तारीख को निधन हो गया था, जिनको श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के जिला कार्यालय में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। स्वर्गीय प्रभात झा को श्रद्धांजलि देने के लिये भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह, जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता, विधायक द्वय राम निवास शाह, राजेंद्र मेश्राम, सीड़ा अध्यक्ष दिलीप शाह, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में सर्व प्रथम प्रभात झा जी के छायाचित्र पर दीपांजलि तथा पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी गई तथा उसके बात वक्ताओं ने उनके जीवन चरित्र तथा देश एवं समाज के लिए दिये गये उनके योगदान के बारे में बताया। उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह ने कहा कि माननीय प्रभात झा का सम्पूर्ण जीवन पार्टी एवं समाज की सेवा में अर्पण किया है। प्रभात के कार्यकाल को याद करते हुए जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता ने कहा कि उनके प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल में मुझे पहले भी जिलाध्यक्ष के रुप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ था तथा उनके ही कार्यकाल में मुझे जिले में प्रदेश कार्यसमिति कराने का अवसर प्राप्त हुआ था। श्रद्धांजलि सभा में विधायक सिंगरौली राम निवास शाह ने प्रभात जी के सरकार, सत्ता एवं समन्वय की कार्यशैली पर प्रकाश डाला तथा विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरीश द्विवेदी ने उनकी सांगठनिक कार्यशैली पर प्रकाश डाला। सभा के अंत में उपस्थित समस्त कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रभात झा के साथ-साथ विगत दिवस कसर ग्राम में तीन साल की सौम्या के दुखद निधन एवं भाजपा के पूर्व महामंत्री संतोष वर्मा की माता जी के निधन पर दो मिनट का मोन रख दिवंगत पुण्य आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रेमवती खैरवार, पूर्व विधायक रामलल्लू वैश्य, सुभाष वर्मा, जिला महामंत्री सुंदरलाल शाह, राज कुमार दुबे, जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, सरोज सिंह, जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार, जिलामंत्री कलावती यादव, विनोद चौबे, कार्यालय मंत्री कृष्ण कुमार कुशवाहा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौबे, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, समस्त मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, वरिष्ठ नेता लाल जी शाह, नरेश शाह, विनोद द्विवेदी, सुनील सिंह गहरवार, महिला मोर्चा की ऋचा सिंह, नम्रता सिंह, विजया सिंह, किरन सागर, तरूण गुप्ता, अजय कुमार खैरवार, सीताराम वर्मा समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेड़ से लटका मिला नवविवाहिता का शव

18 जुलाई से थी लापता, मोरवा पुलिस जांच में जुटी

सिंगरौली। मंगलवार को मोरवा थाना क्षेत्र के ग्राम अजगुड़ के समीप घने जंगल में 18 तारीख से लापता बिंदु बैगा का शव पेड़ से लटका मिला है। शव लगभग पूरी तरह गल चुका था, जिसकी पहचान उसके कपड़े एवं मोबाइल से हो सकी।

मंगलवार दोपहर जब बिंदु बैगा का रिश्तेदार राजकुमार बैगा जंगल में लकड़ी लेने गया तो उसने पेड़ से लटका शव देखा। उसने इसकी सूचना अपने घर वालों को दी, जिसके बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद मोरवा निरीक्षक कपूर त्रिपाठी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर मोरवा पुलिस एक टीम एवं एफएसएल की टीम घटनास्थल पर रवाना की। दुर्गम रास्तों से होते हुए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया। वहीं एसएसएल टीम घटनास्थल की बारीकी से जांच करने में जुटी है। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु ले जाया गया। इस घटना के बारे में मृतका के पिता लालशाह बैगा ने पुलिस को बताया कि उसकी लड़की की शादी 1 वर्ष पूर्व देवसर क्षेत्र स्थित ग्राम राजासरई में दादे बैगा के साथ हुआ था। बीते 17 जुलाई को उसकी लड़की ससुराल से मायके आ गई थी एवं 18 तारीख से घर से बिना बताए लापता हो गई थी। परिजनों ने उसे समय यह सोचकर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई कि उनकी लड़की कहीं रिश्तेदारी में चली गई होगी। अब उसका शव मिलने पर पुलिस सभी संभावित कारणों की जांच में जुट गई है।

डीईओ के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले थे चार शिक्षक, तीन पर कार्यवाही एक पर दरियादिली

अनुपस्थित पाए गए शिक्षक राजकुमार यादव को नोटिस तक नहीं

माध्यमिक विद्यालय भैंसाहूंण में है पदस्थापना,रजिस्टर में डीईओ ने लगाया गोला

सिंगरौली। सिंगरौली कलेक्टर इन दिनों लापरवाह शिक्षकों के प्रति एक्शन मूड में नजर आ रहे हैं इसके लिए उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमित विद्यालयों का निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया है, कलेक्टर के निर्देश पर 3 जुलाई को डीईओ सिंगरौली एसबी सिंह देवसर विकासखंड के कई विद्यालयों में निरीक्षण किया इस दौरान चार विद्यालयों के शिक्षक अनुपस्थित पाए गए थे जिसमें तीन शिक्षकों के खिलाफ तो निलंबन की कार्यवाही हो चुकी है लेकिन एक प्राथमिक शिक्षक राजकुमार यादव के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नजर नहीं आई है ऐसे में एक ओर विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है वहीं दूसरी ओर तरह-तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं बताया जाता है कि अनुपस्थित पाए गए चार शिक्षकों में शासकीय माध्यमिक शाला भैंसाहूण के शिक्षक राजकुमार यादव भी अनुपस्थि मिले थे लेकिन उनके खिलाफ अभी तक किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

डीईओ ने अनुपस्थित मिले तीन शिक्षकों को किया था निलंबित

तीन जुलाई को स्कूलों के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले तीन शिक्षकों को डीईओ ने निलंबित किया है। वहीं सरौंधा जनशिक्षक की एक वेतन वृद्धि रोकने का आदेश जारी किया है। डीईओ एस बी सिंह ने तीन जुलाई को चार शासकीय स्कूलों का - औचक निरीक्षण किया था। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करदा में सहायक ग्रेड 3 शिक्षक अमर प्रकाश सिंह अनुपस्थित पाए गए थे। इसके बाद शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोड़रिया में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक श्रीमान सिंह अनुपस्थित पाये गये थे। इसके बाद शाउमावि करदा के सहायक ग्रेड-2 शिक्षक लाल जी तिवारी अनुपस्थित मिले थे,जन शिक्षक सुरेश प्रजापति भ्रमण शेड्यूल भी जमा नहीं किए थे इसके बाद प्रजापति वेतन वृद्धि रोकी गई।

भैंसाहूंण विद्यालय के निरीक्षण का जिक्र नहीं

डीईओ ने तीन जुलाई को शासकीय माध्यमिक विद्यालय भैंसाहूंण का भी निरीक्षण किया था लेकिन उक्त विद्यालय के निरीक्षण की जानकारी डीईओ कार्यालय से साझा नही की गई,जबकि बताया जाता है कि विद्यालय के एक प्राथमिक शिक्षक राजकुमार यादव बिना अवकाश स्वीकृत कराए अनुपस्थित मिले थे,डीईओ ने कर्मचारी रजिस्टर में उक्त शिक्षक के हस्ताक्षर में गोला लगते हुए रजिस्टर में स्वयं हस्ताक्षर किया है ऐसे में माना जा रहा था कि निश्चित रूप से उक्त शिक्षक के खिलाफ अनुपस्थित मिले अन्य शिक्षकों की भांति निलंबन की कार्यवाही होगी लेकिन जब सिर्फ तीन शिक्षकों को ही निलंबित किया गया और एक शिक्षक को अभय दान दे दिया गया तो विभाग में तरह तरह की चर्चाएं की जाने लगी।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कि गई जनसुनवाई

पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी की सुनी समस्या,थाना प्रभारी व चौकी प्रभारियों को कार्यवाही के दिये निर्देश

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता सिंगरौली के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जन सुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान एसडीओपी देवसर, निरीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह थाना प्रभारी नवानगर, निरीक्षक श्रीमती अर्चना दिवेदी थाना प्रभारी विंध्यनगर, उप निरीक्षक श्रीमती प्रियंका शर्मा महिला थाना प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई श्रीमती निवेदिता गुप्ता पुलिस अधीक्षक के द्वारा आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदको के द्वारा आवेदन पत्र समक्ष में प्रस्तुत किये गये, जिसे प्रत्येक आवेदकों से रू-ब-रू होकर उनकी शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से गंभीरतापूर्वक सुना जाकर कई शिकायतो का मौके में निराकरण कराया गया तथा शेष आवेदन पत्र में वैधानिक कार्यवाही हेतु राजपत्रित अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारियों व चौकी प्रभारियो को निर्देशित किया गया।जनसुनवाई में महिला फरियादियों की शिकायतो को तत्परता से कार्यवाही किये जाने हेतु निरीक्षक श्रीमती अर्चना दिवेदी थाना प्रभारी विंध्यनगर, उपनिरीक्षक श्रीमती प्रियंका शर्मा, महिला थाना प्रभारी व पुलिस अधिकारी-कर्मचारीयों से शिकायतो की कॉउंसलिंग कराई जाकर उनकी शिकायतो के निराकरण एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया।

मुख्यमंत्री का जिले में आगमन 1 अगस्त को

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का सिंगरौली जिलें के विकास खण्ड चितरंगी में आगमन 1 अगस्त को होगा। प्रदेश के लाडली बहनो द्वारा दिये गये अपार समर्थन के लिए उनके प्रति आभार प्रदर्शित करने के साथ साथ उन्हे इस वर्ष श्रवण मास में राखी के पूर्व विशेष उपहार दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री इस अवसर पर आभार सह उपहार कार्यक्रम में सम्मिलित होगे। साथ ही लाडली बहनो को आभार पत्र और इस वर्ष दिये जाने वाले उपहार का संदेश देगे वही कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी करेगे।

अपर कलेक्टर ने की 202 आवेदन पत्रो पर जनसुनवाई

सिंगरौली। जिले के विभिन्न अंचलो से आयें 202 आवेदको ने जन सुनवाई में अपर कलेक्टर अरविंद झा को अपना आवेदन देते हुये अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अपर कलेक्टर द्वारा सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता पूर्वक जन सुनवाई करते हुये कई आवेदको के समस्याओं का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो से निराकरण कराया गया। साथ ऐसे आवेदक जिनके आवेदनों का निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही किया जा सका संबंधित विभागीय अधिकारी को ओर भेजते हुये आवेदन पत्रो का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई के दौरान अपर संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, तहसीलदान रमेश कोल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी एन.के जैन, सहायक आयुक्त जन जाति कार्य विभाग संजय खेडकर ,सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लास्टिंग से हुई छतिपूर्ति राशि के लिए लोगों ने दिया आवेदन

न्यू मार्केट से रैली निकालकर पहुंचे मोरवा थाना व एनसीएल मुख्यालय

सिंगरौली। सिंगरौली पुनर्स्थापना मंच के बैनर तले ब्लास्टिंग से घरों में हुए नुकसान की छतिपूर्ति राशि के लिए करीब दो दर्जन लोगों ने मोरवा थाना एवं एनसीएल मुख्यालय में आवेदन दिया है। बीते रविवार न्यू मार्केट स्थित हनुमान मन्दिर का छज्जा गिरने को लेकर आक्रोशित लोगों ने मंदिर से लेकर आवासीय परिसर में ब्लास्टिंग से अपने घरों के बोरवेल, सेफ्टी टैंक, छत का छज्जा गिरने एवं दीवारों में आई दरार को मुद्दा बनाकर करीब दो दर्जन लोग हनुमान मन्दिर के पास एकत्रित होकर रैली के माध्यम से मोरवा थाना पहुंचे, जहां पर आवेदन देने के बाद सभी लोग एनसीएल मुख्यालय पहुंचकर छतिपूर्ति के भरे हुए फार्मेट को भरकर मुख्यालय में दिया। बताया गया है कि एनसीएल की खदानें आवासीय परिसर के एकदम नजदीक आने से लोगों में जानमाल के नुकसान का भय बना हुआ है। इस मौके पर मुख्य रूप सिंगरौली पुनर्स्थापना मंच के अध्यक्ष सत्तीश उप्पल, राजेश सिंह, शेखर सिंह, मुन्ना अग्रहरी, आलोक यादव, गोपालजी श्रीवास्तव, चंदन सिंह सहित करीब दो दर्जन लोग उपस्थित रहे।

निगाही अंबेडकर भवन में सावन महोत्सव पर सजी गीत-संगीत की महफिल

एडवांस योग समिति की महिलाओं ने उत्साह के साथ मनाया सावन महोत्सव

सिंगरौली। एडवांस योग समिति के तत्वावधान में महिलाओं ने बीते दिनों शनिवार को सावन महोत्सव मनाया। यह आयोजन निगाही परियोजना के अंबेडकर भवन में 27अगस्त को हुआ। महोत्सव में महिलाओं ने उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान महिलाओं ने गेम्स खेले और जीवनोपयोगी जानकारियां साझा की। साथ ही, खूब एन्जॉय किया।

महोत्सव की शुरुआत सबसे पहले गणेश वंदना से हुई फिर सबसे पहले महिलाओं ने सावन के गीत गाए। म्यूजिकल हाउजी में आनंद से नाचते हुए विजेता बनने के लिए प्रयास किए सावन महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती स्वप्निल श्रीवास्तव एवं श्रीमती आकांक्षा पाठक रही कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा श्रीमती पुष्पलता सिंह श्रीमती सीमा चौरसिया श्रीमती संवरा खान एवं श्रीमती उर्मिला पटेल ने किया था सभी बहनों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया सावन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा रैंप वाक क्विज प्रतियोगिता म्यूजिकल चेयर चम्मच रेस आदि की प्रतियोगिता हुई जहां सभी ने उत्साह पूर्वक अपने को विजेता बनने आतुर दिखे कार्यक्रम में नृत्य और गीतों की बौछार से शमा सा बंध गया सभागार पूरी तरह से फुल पैक था सावन महोत्सव में आयोजित प्रतियोगिता के बीच सावन सुंदरी का खिताब क्विज कंपटीशन पर रखा गया था यहां सभी महिलाओं के लिए सरप्राइज था जिसमें सावन सुंदरी का प्रथम खीताब श्रीमती प्रिया शर्मा और द्वितीय खिताब श्रीमती सीमा चौधरी को गया चम्मच रेस में श्रीमती किरण यादव ने बाजी मारी तो वही म्यूजिकल चेयर में श्रीमती रेशमा सोनी प्रथम स्थान प्राप्त किया और श्रीमती प्रिया शर्मा द्वितीय स्थान पर अपना परचम लहराया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 215 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

समस्याओं का समय-सीमा में करें गुणवत्तापूर्ण निराकरण : कलेक्टर

सीधी

जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 215 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित शिकायतकर्ता सूचित करें।

जनसुनवाई में अतिथि शिक्षकों के प्राप्त आवेदनों पर निर्णय लेने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है। जनसुनवाई में हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रत्येक स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों की पहचान करें तथा उनका समाधान करते हुए प्रत्येक हितग्राही को पात्रतानुसार लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा लोगों की समस्या के त्वरित निराकरण करने की मंशा से जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसे पूरी गंभीरता से लें तथा प्राप्त समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

सौम्या के निधन पर सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने जताया शोक

सीधी। लोकसभा सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने सिंगरौली की मासूम बेटी सौम्या के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने कहा कि सिंगरौली जिले के ग्राम कसर में मासूम बच्ची के बोरवेल में गिरने का समाचार मिलते ही स्थानीय प्रशासन द्वारा कई घण्टो तक रेस्क्यू कर उन्हें बचाने की हर संभव मदद की गई, लेकिन बेटी सौम्या के ट्रामा सेंटर अस्पताल में इलाज के दौरान दु:खद निधन हो गया। दुःख की इस घड़ी में हम सब मासूम के परिजनों के साथ हैं। परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करते हुए शांति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि सांसद डॉक्टर मिश्रा इन दोनों बजट सत्र के लिए दिल्ली में है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल स्त्रोतों का किया जा रहा क्लोरिनेशन

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित समस्त पेयजल स्त्रोतों में क्लोरिनेशन कार्य किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण जनों को पेयजल स्त्रोतों के आस पास सफाई रखने हेतु समझाइश दी जा रही है। कार्यपालन यंत्री त्रिलोक सिंह वरकड़े ने बताया कि बारिश में दूषित पेयजल एवं दूषित खाद्य पदार्थों के सेवन से कई बीमारियां होती हैं इससे बचाव हेतु विभाग में प्रकोष्ठ के गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि पेयजल परीक्षण हेतु जिले में जिला प्रयोगशाला एव उपखण्ड चुरहट एवं मझौली में उपखण्ड प्रयोगशाला स्थापित है जहाँ सतत रूप से पेयजल परीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर पंचायत एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में फील्ड टेस्ट किट प्रदान की गई हैं जिससे ग्राम स्तर पर प्रशिक्षित लोगों द्वारा सरल तरीके से पेयजल परीक्षण किया जाता है। बैक्टीरिया की जाँच हेतु ग्राम स्तर पर एच2एस वॉयल दी गई हैं जिससे पेयजल में बैक्टीरिया की जाँच की जाती है। विभाग द्वारा सतत रूप से पेयजल स्त्रोतों के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में निरंतर जाँच की जा रही है एवं जरमैक्स दवाई डाली जा रही है।

डॉ. एस.के. सिंह को उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी जिला सीधी का अतिरिक्त प्रभार

सीधी। संचालक पशुपालन एवं डेयरी म.प्र. भोपाल ने आदेश जारी कर प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से डॉ. एस.के सिंह प्रभारी पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी जिला सीधी को आगामी आदेश तक अपने कार्यों के साथ-साथ उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी जिला सीधी का अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है। डॉ. एस.के. सिंह प्रभारी पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी जिला को उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी जिला सीधी के आहरण संवितरण एवं वित्तीय तथा प्रशासनिक अधिकार भी प्रत्यायोजित किया गया है।

नालसा योजना अंतर्गत विधिक सेवा पैनल अधिवक्ता एवं किशोर न्याय बोर्ड अंतर्गत

पैनल अधिवक्ता के नवीन पैनल हेतु साक्षात्कार 3 अगस्त को

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की पैनल अधिवक्ता योजना के तहत जिला न्यायालय सीधी एवं तहसील न्यायालय चुरहट, मझौली एवं रामपुर नैकिन तथा किशोर न्याय बोर्ड हेतु पैनल अधिवक्ता के पद पर तीन वर्ष के लिए साक्षात्कार जिला न्यायालय परिसर सीधी में दिनांक 03.08.2024 को प्रात: 11 बजे से साक्षात्कार समाप्त होने तक साक्षात्कार समिति द्वारा लिया जावेगा। जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वीरेन्द्र जोशी ने बताया कि साक्षात्कार की सूचना हेतु जिला न्यायालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर, सूचना पत्र में साक्षात्कार तिथि, समय और स्थान की जानकारी चस्पा कराई गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय तथा जिला अभिभाषक संघ के सूचना पटल पर भी सूचना चस्पा की गई है। साक्षात्कार के लिए आवेदनकर्ता को पहचान पत्र एवं मूल दस्तावेज सहित दिनांक 03.08.2024 को समय प्रात: 11:00 बजे तक जिला न्यायालय परिसर सीधी में उपस्थित होना है।

किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा करा सकते हैं : उप संचालक कृषि

सीधी

उप संचालक कृषि ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले के किसान 31 जुलाई 2024 तक अपनी खरीफ फसल का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसान भाई जिले में एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड के माध्यम से अपनी खरीफ फसलों का बीमा 31 जुलाई 2024 तक करा सकते है। ऋणी कृषको का सम्बंधित वित्तीय बैंक (संस्था) के माध्यम से फसल बीमा किया जाएगा। अऋणी कृषक सम्बन्धित बैंक से या वीमा अभिकर्ता (कम्पनी के तहसील प्रतिनिधि) एवं सी. एस. सी. अथवा स्वयं पीएम एफ वी बाय पोर्टल के माध्यम से अपनी फसलों का वीमा करा सकते हैं।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला सीधी ने बताया कि खरीफ फसलो का बीमा कराने के लिए भू-अधिकार पुस्तिका या बी 1, आधार कार्ड बैंक पासबुक तथा फसल बुवाई प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। फसल बीमा कराये जाने पर प्राकृतिक आग (आकाशीय बिजली गिरना बादल, फटना, तूफान, ओलावृष्टि, चक्रवात, बाढ़, जल भरावं, भू-स्खलन, सूखा, कीट व्याधियां इत्यादि से फसल नुकसान होने पर किसान भाई फसल वीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

फसल बीमा के संबंध में किसान भाई एग्रीकल्चर इश्योरेस कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड के टोल फ्री नम्बर 18005707115 पर या किसान कॉल सेन्टर (कृषि रक्षक हेल्पलाइन) 14447 अथवा सीधी जिले में पदस्थ फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा कराने के लिए सीधी जिले हेतु पटवारी हल्का स्तर पर धान सिंचित के लिए प्रीमियम राशि 817.20 रूपये प्रति हेक्टेयर, धान अधिचित के लिए 617.10 का प्रतिहेक्टेयर तुअर अरहर के लिए 608.22 रुपये प्रति हेक्टेयर मक्का के लिए 597.12 रुपये प्रति हेक्टेयर, तहसील स्तर पर ज्वार के लिए 478.46 रुपये प्रति हेक्टेयर पर, तिल के लिए 471.94 रुपये, कोदो कुटकी के लिए 316.06 रुपये जिला स्तर की फसल पर उड़द के लिए 434.7 रुपये प्रति हेक्टेयर मुंग के लिए 426.56 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम राशि है जो की बीमित राशि का 2 प्रतिशत है। अधिसूचित फसलों के बीमा के लिए अपने बैंक या सीएससी. सेंटर अथवा बीमा अभिकर्ता से बीमा करा कर रसीद प्राप्त कर सकते हैं।

फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क करने के लिए 9826559390 पर कॉल कर सकते है अथवा कृषि विभाग के ब्लॉक कार्यालय में जाकर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिले में औसत वर्षा 374 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा कुसमी में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 30 जुलाई को सीधी जिले में 2.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 1.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 2.8 मि.मी., मझौली में 16.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 374 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 30 जुलाई तक तहसील कुसमी में सर्वाधिक वर्षा 496.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 466.7, चुरहट में 278.8, गोपद बनास में 292.2, सिहावल में 394.6, बहरी में 249.8 और मझौली में 440.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 307.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 66.7 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

भारतीय मजदूर संघ ने वेतन निर्धारण हेतु एवं अन्य मांगो का सौंपा ज्ञापन

सीधी। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री दीपनारायण द्विवेदी द्वारा प्रेस विज्ञप्ति देते हुए बताया कि भारतीय मजदूर संघ प्रदेश आहवान पर आज जिला अपर कलेक्टर राजेश शाही द्वारा मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया। जिसमें मध्यप्रदेश असाधारण राजपत्र क्रमांक 68 दिनांक 04.03.2024 के पृष्ठ क्रमांक 135,136 एवं 136(1) से 136(4) पर प्रकाशित श्रम विभागीय अधिसूचना क्रमांक एफ.4 (बी)1/2014/ए-16 एवं श्रमायुक्त मध्यप्रदेश शासन की अधिसूचना क्र 1/11/अन्वे/ पाँच/2024/8621-870 इंदौर दिनांक 13.03.2024 के अनुसार राज्य के विभिन्न अनुसूचित नियोजनों के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की दरें पुनरीक्षित हुई जो 01.04.2024 से प्रभावशील थीं। न्यूनतम वेतन पुनरीक्षण, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर मध्यप्रदेश न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड की अनुशंसा के आधार किया जाता है। यह पुनरीक्षण वर्ष 2019 से लंबित था परंतु तात्कालिक प्रदेश सरकार द्वारा निर्णय नहीं लिया गया। महोदय उपरोक्त पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन से श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार एवं मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ती होती है। उक्त असाधारण पत्र पर आपत्ति की गई है जिससे इसके लागू होने में व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

चूंकि प्रदेश सरकार का दायित्व है कि श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित किए जाएँ। अत: निवेदन है कि मध्यप्रदेश के श्रमिकों एवं उनके परिवारों के हितों को ध्यान में रखते हुए पुनरीक्षित न्यूनतम वेतनमान शीघ्र लागू किया जावे। भारतीय मजदूर संघ ने जिल के स्थानीय मुददो को लेकर भी ज्ञापन सौपा। समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय कार्यालयों में कार्यरत कलेक्टेर दर, अउटसोर्स, अंशकालीन दैनिक वेतन भोगी, सफाई कर्मी अस्थाई श्रमिकों को नियमित करने की कार्यवाही की जाये।

हॉस्पिटलों द्वारा कचरा निस्तारण हेतु व्यवस्था के संबंध में सांसद ने संसद में पूछा प्रश्न, जताई चिंता

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अस्पताल में कचरा निस्तारण के संबंध में प्रश्न पूछा क्योंकि डॉ राजेश मिश्रा चिकित्सा के क्षेत्र में जानी-मानी शख्सियत हैं और चिकित्सा का अच्छा खासा अनुभव है। बजट सत्र के दौरान पूछे गए प्रश्न में सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेंट से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा होता है, इसलिए कितने हॉस्पिटल में इंसिट्रेटर लगे हुए हैं और जिन हॉस्पिटलों में नहीं लगे हैं उनमें लगाने की क्या व्यवस्था है। जिसके जवाब में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने सांसद डॉ राजेश मिश्रा के प्रश्न का उत्तर दिया और बजट और अन्य जानकारियां सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा को उपलब्ध कराई। सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने कहा कि हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेंट से पर्यावरण को अत्यधिक छति होती है और उत्पन्न कचड़े से आसपास के लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला–सीधी (म0प्र0)

Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक / 1109 / खनिज / 2024 सीधी, दिनांक 25/07/2024

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिये "

// प्रथम सूचना //

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री हर्ष सिंह पिता श्री दानबहादुर सिंह निवासी ग्राम डैनिहा, तहसील गोपद बनास, जिला–सीधी (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 23.07.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 29.07.2024 से 28.08.2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	गोपद बनास	बारी	92/3	2.000	निजी	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

खनि अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-14252/24

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला–सीधी (म0प्र0)

Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक / 1081 / खनिज / 2024 सीधी, दिनांक 23/07/2024

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिये "

// प्रथम सूचना //

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री शालिक प्रसाद द्विवेदी पिता श्री सूर्यपाल द्विवेदी निवासी ग्राम कमचढ़, तहसील मझौली, जिला–सीधी (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 19.07.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 29.07.2024 से 28.08.2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	मझौली	मेड़रहाई	132	1.660	निजी	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

खनि अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-14112/24

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला–सीधी (म0प्र0)

Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक / 1055 / खनिज / 2024 सीधी, दिनांक 18/07/2024

// द्वितीय सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्रीमती अन्तिमा पाण्डेय पत्नी श्री चन्द्रमोहन पाण्डेय निवासी ग्राम करौंदिया उत्तर टोला, तहसील–गोपद बनास, जिला–सीधी (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 10.06.2024 को प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 24.07.2024 से 07.08.2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	बहरी	झरिया	11, 15, 12, 19	1.740	शासकीय	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

खनिज अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-14081/24

संपादकीय

मनु का कमाल

जब पूरा देश यह आस लगाए बैठा है कि पेरिस ओलिंपिक में हमारे ऐथलीट टोक्यो में जीते अब तक के सबसे ज्यादा 7 पदकों का रेकॉर्ड तोड़कर नई और लंबी लकीर खींचेंगे, तब मनु भाकर की जीत की खबर ने स्वाभाविक ही सबका जोश कई गुना बढ़ा दिया है। उनका यह ब्रॉन्ज मेडल सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि यह पेरिस ओलिंपिक में किसी भारतीय ऐथलीट का पहला मेडल है। इस उपलब्धि की ऐतिहासिक चमक के पीछे कई और बातें हैं। पहली बात तो यह कि मनु ने ब्रॉन्ज मेडल पर कामयाब निशाना लगाकर एक साथ कई कीर्तमान स्थापित कर दिए हैं। वह ओलिंपिक मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला शूटर हो गई हैं। इससे पहले इस ऑल बॉयज क्लब में राज्यवर्धन सिंह राठौर, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार ही थे। यही नहीं, मनु पिछले 20 साल में किसी इंडिविजुअल इवेंट में ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला भी बनीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मुकाबले में तो आज तक कोई महिला शूटर ओलिंपिक फाइनल में भी नहीं पहुंची थी। मनु जिस मंजिल पर पहुंची हैं, उसे उनकी उतार-चढ़ाव भरी यात्रा भी खास बनाती है। मात्र 19 साल की उम्र में तोक्यो ओलिंपिक तक पहुंचकर वहां अचानक पिस्टल खराब होने की वजह से चूक जाना किसी भी टीनेजर के लिए कितना बड़ा झटका होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। मनु न केवल उस झटके से उबरीं बल्कि अगले ही ओलिंपिक में जीत दर्ज कराकर अपनी फाइटिंग स्पिरिट का सिक्का जमा लिया। सबसे बड़ी बात यह है कि मनु महज एक ऐथलीट नहीं हैं। वह युवा ऐथलीटों की उस पूरी कौम की नुमाइंदगी करती हैं जो देश का गौरव बढ़ाने के अभियान में लगे हैं। चाहे नीरज चोपड़ा हों या पीवी सिंधु या विनेश फोगाट और मीराबाई चानू- ये उन दर्जनों नामों में शुमार हैं जो अपना खून-पसीना जलाते हुए देश का मान बढ़ाने में लगे हैं। इनमें से कई नाम अगले कुछ दिनों में देश को सुनहरी आभा प्रदान करें तो आश्चर्य नहीं। इसी बिंदु पर उन प्रयासों को दर्ज करना भी महत्वपूर्ण हो जाता है जिनकी बदौलत ये खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर पा रहे हैं। चाहे सरकार की ओर से मुहैया कराई जाने वाली सुविधाएं हों या भारतीय कॉरपोरेट जगत की ओर से स्पॉन्सर की जाने वाली सहूलियतें- इनका ऊंचा होता ग्राफ ही वह माहौल बनाता है जिसमें खिलाड़ी ऊंचे मनोबल के साथ पदक तक पहुंचने वाली छलांग लगा पाता है। गौर करने की बात है कि पिछले आयोजनों के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक में इंडिया इंक ने अपना निवेश 30-40 फीसदी बढ़ाया है। मनु की ताजा उपलब्धि की खासियत यही है कि इसमें पूरे देश की भावना, उत्साह और प्रोत्साहन की झलक दिख रही है।

पिछली सदी की समाजवादी शब्दावली में कहा जाता था, अमीर अधिक अमीर होता जा रहा है और गरीब अधिक गरीब। अब गरीब अधिक गरीब भले न हो रहा हो, लेकिन अमीर जिस तेजी से ज्यादा अमीर होता जा रहा है, उससे फासला बहुत बढ़ गया है। बजट के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इस बजट में विषमता को कम करने का कोई उपाय नहीं दिखता। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत में इस समय विषमता जहां पहुंच गई है, उतनी तो ब्रिटिश काल में भी नहीं थी। शशि थरूर जब यह कह रहे थे, तो दरअसल वह दुनिया के कई अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार किए गए एक शोध-पत्र का हवाला दे रहे थे, जो अभी कुछ ही महीने पहले जारी हुआ है। इस शोध-पत्र के अनुसार, इसके पहले भारतीय इतिहास में सबसे ज्यादा गैर-बराबरी 1930 में थी, जब देश की एक फीसदी आबादी के पास पहुंचने वाली आमदनी देश की कुल आमदनी का 20 फीसदी थी। बाद के दौर में इसमें गिरावट आ गई। मगर लगभग सौ साल बाद हम वहां पहुंच गए हैं, जहां देश के एक फीसदी अमीरों के पास पहुंचने वाली आमदनी 20 फीसदी की पिछली बुलंदी को भी पार कर गई है।

बढ़ती विषमता का विष कौन निगले

(हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार)

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने केंद्रीय बजट की अपनी समीक्षा में भारत की बढ़ती आर्थिक विषमता का जिक्र किया है। उनका कहना है कि आर्थिक नीतियों को इसे कम करने के तरीके खोजने चाहिए। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष और नीति आयोग के संस्थापक उपाध्यक्ष अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया ने भी कुछ सप्ताह पहले कहा था कि अब गैरबराबरी को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की बढ़ती आर्थिक विषमता पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब से लेकर यूएनडीपी की रिपोर्टों में भी भारत को उन देशों में रखा गया है, जहां अमीर और गरीब के बीच का फासला सबसे ज्यादा है। यह ठीक है कि पिछले दो दशकों में भारत में अति-दरिद्रता कुछ कम हुई है। मनरेगा या सीधे अनाज बांटने की योजनाओं ने भुखमरी वाली गरीबी को कम किया है, मगर अमीर और गरीब का फासला लगातार बढ़ता गया है।

पिछली सदी की समाजवादी शब्दावली में कहा जाता था, अमीर अधिक अमीर होता जा रहा है और गरीब अधिक गरीब। अब गरीब अधिक गरीब भले न हो रहा हो, लेकिन अमीर जिस तेजी से ज्यादा अमीर होता जा रहा है, उससे फासला बहुत बढ़ गया है। बजट के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इस बजट में विषमता को कम करने का कोई उपाय नहीं दिखता। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत में इस समय विषमता जहां पहुंच गई है, उतनी तो ब्रिटिश काल में भी नहीं थी। शशि थरूर जब यह कह रहे थे, तो दरअसल वह दुनिया के कई अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार किए गए एक शोध-पत्र का हवाला दे रहे थे, जो अभी कुछ ही महीने पहले जारी हुआ है। इस शोध-पत्र के अनुसार, इसके पहले भारतीय इतिहास में सबसे ज्यादा गैर-बराबरी 1930 में थी, जब देश की एक फीसदी आबादी के पास पहुंचने वाली आमदनी देश की कुल आमदनी का 20 फीसदी थी। बाद के दौर में इसमें गिरावट आ गई। मगर लगभग सौ साल बाद हम वहां पहुंच गए हैं, जहां देश के एक फीसदी अमीरों के पास पहुंचने वाली आमदनी 20 फीसदी की पिछली बुलंदी को भी पार कर गई है।

बात जब ब्रिटिश दौर की हो रही है, तो प्रसंगवश ब्रिटेन की ओर भी झांक लेते हैं। आर्थिक गैर-बराबरी वहां भी हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़ी है। पिछले दिनों आम चुनाव में जिस तरह वहां के लोगों ने लेबर पार्टी को भारी बहुमत दिया, उसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि लोग आर्थिक दबावों की वजह से आजिज आ गए थे। और अब जब लेबर पार्टी जीत गई है, तो उसके सांसद ही दबाव डाल रहे हैं कि सबसे पहले गैर-बराबरी दूर करो। पार्टी का पूरा अमला इसी में सिर खपा रहा है कि इस अफसाने को कैसे अंजाम तक पहुंचाया जाए। वैसे, भारत में भी आम चुनाव के दौरान कांग्रेस ने इस मुद्दे के संकेत अपने घोषणापत्र में दिए थे। मगर चुनावी माहौल में इस पर कोई विमर्श होने के बजाय मंगलसूत्र और भैंस खोल ले जाने जैसी चर्चाएं ही खबरों में छाई रहीं।

भारत और ब्रिटेन ही क्यों, यह तो तकरीबन सारी दुनिया में हो रहा है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब की कोई भी सालाना रिपोर्ट उठा लीजिए, आपको तकरीबन हर जगह विषमता बढ़ती दिखाई देगी। अमेरिका तक में यही हो रहा है। इसे लेकर पहला आंदोलन भी वहीं शुरू हुआ था- ऑक्यूपाई वॉल स्ट्रीट। मगर समय के साथ इसके सुर ठंडे पड़ गए। अब कई अमेरिकी अर्थशास्त्री इस विमर्श में सिर खपा रहे हैं कि बढ़ती आर्थिक गैरबराबरी को समस्या माना भी जाए या नहीं? बेशक, वहां समस्या वैसी है भी नहीं, जैसी भारत जैसे कुछ देशों में है। तमाम विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इसका समाधान आसान नहीं है। कुछ का तो कहना है कि दुनिया ने जो आर्थिक व्यवस्था अपनाई है, उसके कुएं में ही विषमता की भांग पड़ी है। आप कुछ भी कर लें, धन और संपत्ति का केंद्रीकरण लगातार बढ़ता ही जाएगा।

पहले यह माना जाता था कि विश्व-अर्थव्यवस्था को जब झटका लगता है, तब गैर-बराबरी अपने आप नीचे आ जाती है। यही प्लेग महामारी के समय हुआ था। यही पिछली सदी की पहली महा-आर्थिक मंदी के समय हुआ और यही दोनों विश्व युद्धों के बाद हुआ। मगर 21वीं सदी ने इस मिथक को भी तोड़ दिया है। 2008 के वित्तीय संकट के समय पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था हिल गई थी। बाद में, जब सब सामान्य हुआ, तो पता चला कि विषमता और बढ़ गई है। इसके बाद कोविड जैसी महामारी में जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चक्कर खाकर गिर पड़ी थी और बहुत से लोगों के सिर पर अन्न और भोजन का संकट मंडराने लगा था, तब भी कुछ लोगों की ही संपत्ति लगातार बढ़ रही थी। गैरबराबरी अब हर आपदा में अपने लिए अवसर तलाश लेती है।

कुछ अर्थशास्त्री चेता रहे हैं कि ऐसा बहुत दिन नहीं चलेगा। इसी के साथ एक और चेतावनी नत्थी हो गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता धन के केंद्रीकरण व विषमता को और बढ़ा सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि इसके साथ बढ़ती बेरोजगारी कभी भी विस्फोट का कारण बन सकती है।

बावजूद इसके कोई नहीं जानता कि इसका किया क्या जाए? पिछली एक सदी में अमीरों पर भारी टैक्स लगाने से लेकर, संपत्ति कर से लेकर उपभोग कर तक के प्रयोग हुए। हर बार गैर-बराबरी ने अपने लिए गुंजाइश तलाश ली। जहां ऐसे प्रयासों ने अर्थव्यवस्था की लय बिगाड़ी, वहां इसका नजला भी गरीबों पर ही गिरा। हम चाहें, तो ऐसा करने वालों की नीयत पर शक कर सकते हैं। यह भी माना जाता है कि जो अमीर थे, उन्होंने हर बार अपने लिए तमाम नियम-कायदों के बीच से रास्ते निकाल लिए। ठीक यहीं पर राजनीतिक अर्थशास्त्र की एक प्राचीन कहावत को भी याद कर लेना चाहिए- यह एक स्वर्णिम नियम है, जिसके पास स्वर्ण है, उसके पास नियम है। आर्थिक विषमता को हमेशा के लिए सुला देने की खातिर साम्यवादी व्यवस्थाएं कायम की गईं, जो अपने ही अंतरविरोधों से चरमरा गईं।

पिछली सदी तक दुनिया के पास समता को कायम करने और विषमता खत्म करने की कई विचारधाराएं थीं। मगर 21वीं सदी के आते-आते उनके महल खंडहर में बदल गए, जो अब लोगों को आकर्षित नहीं करते। जिन्हें समता कायम करने की ऐतिहासिक शक्तियां कहा जाता था, उन्हें अब कोई याद भी नहीं करता। पूरे इतिहास में किसी समस्या के सामने हम इतने असहाय कभी नहीं रहे।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अन्य आयोजनों से पेरिस का ओलंपिक जलसा अलग क्यों

अंग्रेजी मीडिया के (मुख्यत- ब्रिटिश व अमेरिकी) उपभोक्ता के रूप में भारतीयों के सामने हर ओलंपिक शुरू होने से पहले उसे किसी आपदा के रूप में पेश किया जाता है और यह विशेषकर गैर-अंग्रेजीभाषी देश में आयोजित वाले ओलंपिक खेलों में होता है। पेरिस के मेयर को तो यह साबित करने के लिए सीन नदी में कूदना पड़ा कि इसका पानी तैराकों के लिए साफ है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, पेरिस एक महत्वाकांक्षी, पर जोखिम भरे ओलंपिक की मेजबानी कर रहा है। मगर हकीकत में, पेरिस इस आयोजन को फिजूलखर्ची के बजाय नए सिरे से गढ़ने का इरादा रखता है और इसका वायदा उसने यह कहकर किया है कि वह सबसे हरित, सबसे चिरस्थायी और सर्वाधिक लैंगिक समानता वाला ओलंपिक आयोजित कर रहा है। यह कोई आसान काम नहीं है।

(शारदा उगरा, वरिष्ठ पत्रकार)

ओलंपिक खेलों की रणभेरी बजने से पहले हरेक मेजबान शहर को अंग्रेजीभाषी दुनिया के ताने सहने पड़ते हैं। मसलन, एथेंस समय से तैयार नहीं हो पाएगा। बीजिंग की हवा हर किसी का दम घोंट देगी। रियो में जीका वायरस के साथ यह शिकायत थी कि वहां के अपराधी चैंपियनों के मेडल और पत्रकारों के फोन छीन लेंगे। टोक्यो के बारे में आशंकाएं थीं कि कोविड के बुलबुले को वह कैसे संभाल पाएगा? लंदन (2012 ओलंपिक) का ऐसे आरोपों से बच जाने की वजह थी, जबकि वहां खेलों से पहले सबसे गंभीर मुद्दा सुरक्षा गार्डों की कमी का था।

अंग्रेजी मीडिया के (मुख्यत- ब्रिटिश व अमेरिकी) उपभोक्ता के रूप में भारतीयों के सामने हर ओलंपिक शुरू होने से पहले उसे किसी आपदा के रूप में पेश किया जाता है और यह विशेषकर गैर-अंग्रेजीभाषी देश में आयोजित वाले ओलंपिक खेलों में होता है। पेरिस के मेयर को तो यह साबित करने के लिए सीन नदी में कूदना पड़ा कि इसका पानी तैराकों के लिए साफ है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, पेरिस एक महत्वाकांक्षी, पर जोखिम भरे ओलंपिक की मेजबानी कर रहा है। मगर हकीकत में, पेरिस इस आयोजन को फिजूलखर्ची के बजाय नए सिरे से गढ़ने का इरादा रखता है और इसका वायदा उसने यह कहकर किया है कि वह सबसे हरित, सबसे चिरस्थायी और सर्वाधिक लैंगिक समानता वाला ओलंपिक आयोजित कर रहा है। यह कोई आसान काम नहीं है। वहां तो पहले से ही इस खबर के खिलाफ सुगबुगाहट शुरू हो गई कि

खेल गांवों के कमरे वातानुकूलित नहीं होंगे और फर्श के नीच पाइप डालकर तापमान को छह डिग्री सेल्सियस कम किया जाएगा, इसीलिए अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, कनाडा और इटली अपने यहां से एसी खुद लाने की बात की। दुनिया के देशों के ऐसे ही दबाव में आयोजनकर्ताओं को 2,500 एसी किराये पर लेने को बाध्य होना पड़ा है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि जो देश वैश्विक मंचों पर पर्यावरण के मुद्दे पर ज्यादा मुखर नजर आते हैं, उनको अपनी कथनी और करनी के बीच संतुलन बनाना इतना मुश्किल लग रहा है।

बहरहाल, मई 2018 में पेरिस ने ईएसएस2024 नामक सॉलिडरिटी प्लेटफॉर्म, यानी एकजुटता मंच लॉन्च किया, जिसका मकसद खेलों के लिए करीब तीन अरब यूरो की खरीदारी और अनुबंधों के लिए एक अनूठा वितरण मॉडल तैयार करना था। बांग्लादेश केयूनुस सेंटर फॉर सोशल बिजनेस व फ्रांस के गैर-सरकारी संगठन लेस कैनॉक्स के साथ काम करते हुए आयोजकों ने शहरी नवीनीकरण के लिए प्रतिबद्ध स्थानीय उद्यमियों के साथ काम के अवसर पैदा करने की कोशिश की है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी की मार्च की घोषणा बताती है कि ओलंपिक खेलों के लिए ढांचागत निर्माण, खान-पान, फर्नीचर आदि के लिए 460 स्थानीय व्यवसायों को जोड़ा गया, जिनमें से नौ व्यवसायों के साथ 1.6 अरब यूरो के अनुबंध किए गए, जो खेल गांव व स्टेडियमों की साफ-सफाई व कपड़े धोने से जुड़े थे। प्लास्टिक के कचरे से दो आयोजन स्थल पर करीब 11,000 कुर्सियां बनाई गईं। आयोजन के लिए स्थायी खेल सुविधाएं दी गई हैं और ओलंपिक एक्वेटिक सेंटर को आयोजन के बाद सार्वजनिक तैराकी शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्र बना दिया जाएगा।

सितंबर 2021 में अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि खेलों की सामाजिक ताकत का प्रभावी ढंग से उपयोग ही नहीं किया जाता। अगर हम ऐसे आयोजनों के आर्थिक लक्ष्य को बाधित किए बिना इस ताकत का इस्तेमाल सामाजिक लक्ष्यों को पूरा करने में करें, तो हमें खासा लाभ मिल सकता है।

पेरिस ने यूनुस द्वारा बताए गए तीन संकटों- ग्लोबल वार्मिंग, आर्थिक असमानता और बेरोजगारी से निपटने के लिए अनूठा तरीका खोजने का प्रयास किया है। मगर अब किराये की एसी का उपयोग बता रहा है कि सही इरादा होने पर भी पेरिस को अपमानित होना पड़ा। फिर भी, जैसा कि अभिनव बिंद्रा कहते हैं, पेरिस भविष्य के लिए बेंचमार्क बना सकता है, क्योंकि पहले ऐसे आयोजनों का मतलब होता था- भव्यता, चमक-दमक और बेहिसाब आतिशबाजी। मगर इस बार ऐसा नहीं हुआ है। रोशनी का यह शहर विश्व खेल को रास्ता दिखा सकता है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5447

1	2		3	4	5	6	■
7		■	8				9
10				■		■	
	■	■	11	12		13	
■	14	■	■	15			
16		■	17			■	■
18				■	19	20	21
22		■	23		■	24	

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1923 को इस प्रख्यात धाराशास्त्री व भूतपूर्व केंद्रीय कानून मंत्री ने जन्म लिया था (7)
7. चालीस सेर की एक तौल, हृदय, (2)
8. आक्रम करने वाला (5)
10. अतिदान देन के कारण सूतपुत्र कर्ण इस नाम से भी जाने जाते थे (4)
11. असफल, विफल (5)
15. संगमरमर, एक तहर का सफद पत्थर (4)
16. होलिकात्सव पर गाया जाने वाला गीत (2)
17. यह सऊदी अरब का एक पवित्र नगर, ग्रांथिक रूप से इस शब्द का अर्थ है शहर या नगर है (3)
18. भटका हुआ, पथ भ्रष्ट (4)
19. कुछ समय के लिए रूकना, ठहरना (3)
22. महिला ईसाई पादरी यह कहलाती है (2)
23. निशाना, अनुमेय (2)
24. फौज का दस्ता (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. रामभक्त होने के कारण हनुमान का एक नाम, दक्षिण भारत के प्रसिद्ध महात्मा जो छत्रपति शिवाजी के गुरू थे (4)
2. गहन चिंतन करने का भाव (3)
3. अस्थाई रूप से रहना, रूकना, टिकना (4)
4. मेरा या मेरी (संस्कृत)(2)
5. भारत की ओर से पहला शतक लगाने वाले क्रिकेटर (7)
6. नींव का अपभ्रंश (2)
9. रहनुमा, पथ प्रदर्शक (4)
12. सुखांत रचना को यह भी कहा गया है (2)
13. तीन घंटे का समय, पहर (2)
14. आने का भाव (2)
16. हिंदी के बारह महिनों में से एक (3)
17. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी, राजा का निवास, अंतपुर (3)
20. मुझे को मराठी में यह कहते है (2)
21. वस्तु, प्राणी आदि का बोधक सूचक शब्द, प्रसिद्ध, शोहरत (2)

वर्ग पहेली 5446 का हल

अ	न	ज्ञा	न	■	श्री	यु	त
ना	म	ज	द	■	ग्र	ग्र	न
था	■	म	■	■	णे	■	ब
ल	य	■	सा	■	ह	ह	द
य	म	ज	■	सु	■	वा	न
■	■	दू	रै	भू	त	■	म	■
घा	त	■	त	■	आ	ह	त
ना	■	सु	ल	ह	■	ल	ब

गलती ने सिखाया

(प्रणव प्रियदर्शी)

करियर की जिस ऊंचाई पर अभी सुप्रभा मैसूर खड़ी हैं, वहां तक पहुंचने में उनके सधे अंदाज में रखे कामयाब कदमों की जितनी भूमिका है, उतना ही योगदान फिसले कदमों का भी है। कंप्यूटर साइंस में बीई करने के बाद सुप्रभा ने नोकिया में सॉफ्टवेयर डिवेलपमेंट की फील्ड में महज तीन साल का अनुभव हासिल किया था, लेकिन आंट्रप्रेन्यरशिप के शौक ने मजबूर कर दिया। उन्होंने दिल की सुनी और साल 2007 में स्टार्टअप शुरू किया जो ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स की मदद के लिए मोबाइल सॉफ्टवेयर डिवेलप करने का वेंचर था। आइडिया बेहतरीन था, लेकिन शायद वक्त से कुछ पहले आ गया था। 18 महीने की मशक्कत के बाद सुप्रभा को अपना स्टार्टअप बंद करना पड़ा क्योंकि कोई ऐसा इन्वेस्टर नहीं मिला जो उनके प्रॉडक्ट को मार्केट तक ले जाने को तैयार हो।

बहरहाल, इस नाकामी से सुप्रभा विचलित नहीं हुईं। वह 18 महीनों के अपने इस अनुभव की कीमत समझती थीं। उन्होंने दोबारा जॉब की तलाश शुरू की, लेकिन उनके सीवी में इस कथित नाकाम प्रयोग को प्रमुख स्थान मिल चुका था। एम्प्लॉयर्स ने भी इस अनुभव की अहमियत को समझा और टीम लीड करने की उनकी क्षमता पर भरोसा किया। जॉब की दूसरी पारी में अमेरिका की कंज्यूमर क्रेडिट रिपोर्टिंग एजेंसी ट्रांस यूनियन में वाइस प्रेसिडेंट (सॉफ्टवेयर डिवेलपमेंट) की मौजूदा भूमिका स्वीकार करने से पहले वह सिसको,नोकिया और इंटेल में प्रॉडक्ट मैनेजमेंट रोल्स निभा चुकी थीं।

इस नाकामी से सुप्रभा विचलित नहीं हुईं। वह 18 महीनों के अपने इस अनुभव की कीमत समझती थीं। उन्होंने दोबारा जॉब की तलाश शुरू की, लेकिन उनके सीवी में इस कथित नाकाम प्रयोग को प्रमुख स्थान मिल चुका था। एम्प्लॉयर्स ने भी इस अनुभव की अहमियत को समझा और टीम लीड करने की उनकी क्षमता पर भरोसा किया। जॉब की दूसरी पारी में अमेरिका की कंज्यूमर क्रेडिट रिपोर्टिंग एजेंसी ट्रांस यूनियन में वाइस प्रेसिडेंट (सॉफ्टवेयर डिवेलपमेंट) की मौजूदा भूमिका स्वीकार करने से पहले वह सिसको,नोकिया और इंटेल में प्रॉडक्ट मैनेजमेंट रोल्स निभा चुकी थीं।

इस पूरी यात्रा में अपना स्टार्टअप शुरू करने और बंद करने के बीच मिला अनुभव सुप्रभा के काम आता रहा। उन्हें कस्टमर फीडबैक की अहमियत का अहसास उस दौरान अच्छी तरह हुआ था और वह उनके नजरिए में हमेशा के लिए शामिल हो गया। वह किसी भी प्रॉडक्ट को सिर्फ क्रिएटर के नजरिए से देखने के बजाय यूजर के नजरिए से भी देखने लगीं। दूसरी जो चीज उन्हें उतार-चढ़ाव भरी अपनी करियर यात्रा में ताकत देती रही वह है उनकी क्रिएटिविटी। सुप्रभा ने कर्नाटक म्यूजिक में बाकायदा प्रशिक्षण लिया है और वह पियानो भी बजाती हैं। इसके साथ ही वह शॉर्ट स्टोरीज भी लिखती हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

आज का राशिफल

मेष

आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको ऑफिस के साथ ही घर में हर प्रकार का सपोर्ट प्राप्त होगा। ऑफिस में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आपके प्रमोशन और वेतन में बढ़ोत्तरी की चर्चा हो सकती है। घर के छोटे सदस्यों को समय देना बहुत जरूरी है। आपको अपने बच्चों के करियर पर ध्यान देने की जरूरत है। संतान को आपकी मदद से लाभ होगा।

वृषभ

आज लाभ और सम्मान का दिन है और आपको हर कार्य में भाग्य का साथ मिलेगा। आप पूरे उत्साह से जो भी काम करेंगे उसमें निश्चित रूप से कामयाबी मिलेगी। दोपहर बाद सभी काम बनते नज़र आएंगे। काफी समय से रुका पैसा आपको मिलेगा और आपके सम्मान में वृद्धि होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।

मिथुन

आज लाभ होगा और आपका आर्थिक मामलों में से जुड़ा कोई फैसला पूरा होगा। आपका दिन शुभ लाभ से भरा होगा। आपके पास समय की कमी की वजह से आपके कुछ कार्य अधूरे रह सकते हैं। घर में किसी शुभ कार्य की बातचीत हो सकती है। कोई पुराना दोस्त आपसे मिलने आ सकता है।

कर्क

आज लाभ होगा और आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। आपको भाग्य का साथ मिलेगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का प्लान बन सकता है। किसी बौद्धिक काम में आपको कामयाबी मिलेगी। कोई नई डील आपकी शर्तों पर फाइनल हो सकती है।

सिंह

आज लाभ होगा और दिन सम्मान से भरा होगा। आपको खुशी का एहसास होगा और हर कार्य में सफलता मिलने के योग हैं। ऑफिस में कुलीग्स आपके टीमवर्क के जज्बे को अच्छी तरह समझेंगे और आपकी मदद के लिए आगे आएंगे। काफी समय से चले आ रहे कानूनी विवाद और झगड़े आज खत्म होंगे।

कन्या

आज भाग्य साथ देगा और किसी क्रिएटिव काम में आपकी रुचि बढ़ेगी और भाग्य का साथ मिलेगा। थोड़ा बहुत पैसा भी कमाने के चांस हैं। पैसे की समस्या आएगी लेकिन वह शाम तक टल भी जाएगी। कोई दोस्त अगर उधार मांगे तो उसे अपनी स्थिति साफ तौर पर बता दें। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।

तुला

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको दिल और दिमाग के संतुलन से सफलता मिलेगी। अकाउंट्स की फाइलों को तैयार रखें। कभी भी जरूरत पड़ सकती है। अपने स्टाफ पर नज़र रखें। अपन अच्छे व्यवहार से आपका मन खुश रहेगा। आपके लिए धन में वृद्धि के योग बने हैं और आपकी कमाई अच्छी होगी।

धनु

आज लाभ होगा और ऑफिस में आज आपको बहुत काम करना होगा। भागदौड़ करने से आपको लाभ होगा और मेहनत से करने से आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखें कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में भाग्य आपका साथ देगा।

कुंभ

आज आपको सुबह से ही आपको किसी शुभ समाचार का इंतजार करना पड़ेगा। आसपास की यात्रा करनी पड़ सकती है। नए लोगों से मेलजोल बढ़ाना आपके लिए फायदेमंद होगा। बिजनस में आपको लाभ होगा और आपके कार्य पूर्ण होंगे और मुनाफा अच्छा होगा। करियर के मामले में आपको लाभ होगा और रुपये-पैसे के लेनदेन में सावधानी रखें।

वृश्चिक

आज करियर में लाभ होने की उम्मीद है। पॉलिटिक्स में आपकी रुचि बढ़ेगी। किसी मामले में आपको नुकसान हो सकता है। करियर में आपके लिए लाभ के योग हैं और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। आपको रुपये-पैसे के मामले में लाभ होगा। आपको करियर और कारोबार में लाभ होने के योग हैं।

मकर

आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। एक बार आप अपने काम को एक के बाद एक निपटाने लगेंगे तो अन्त में काफी संतुष्टि मिलेगी। आपके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि का दिन है। कानूनी कागजातों पर दस्तखत करने से पहले हर मामले में सावधानी रखें। आपके लाभ और सम्मान में वृद्धि होगी।

मीन

आज दिन लाभ से भरा होगा। आप जिन बातों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे, दोपहर में वही आपको खुशी देगी। ऑफिस में अपनी जगह बनाने के लिए सूझबूझ से काम लेना होगा। बुद्धि से जुड़े कामों के नतीजे शाम तक मिलने लगेंगे। किसी नई डील को फाइनल करने का काम कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

संक्षिप्त समाचार

रेल हादसों पर ममता का केंद्र पर करारा प्रहार, कहा- आपकी संवेदनहीनता कब खत्म होगी

कोलकाता, एजेंसी। देश में लगातार हो रहे रेल हादसों को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल में आज सुबह एक और विनाशकारी ट्रेन दुर्घटना हुई, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की खबर हैं। इससे पहले लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। रविवार को ही बिहार में संपर्क क्रांति दो हिस्सों में टूट कर अलग हो गई, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। इससे पहले ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे की एक वीभत्स तस्वीर सामने आ गई थी जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। ममता ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि एक और विनाशकारी रेल दुर्घटना, हावड़ा- मुंबई मेल आज सुबह झारखंड के चक्रधरपुर मंडल में पटरी से उतर गई, जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए हैं। मैं गंभीरता से पूछती हूं, क्या यही शासन व्यवस्था है? लगभग हर हफ्ते दु:स्वप्नों का यह सिलसिला, रेल पटरियों पर मौतों और चोटों का यह अंतहीन सिलसिला कब तक हम इसे सहन करेंगे? क्या भारत सरकार की संवेदनहीनता का कोई अंत नहीं होगा? ममता बनर्जी यूपीए 2 की सरकार में रेल मंत्री रह चुकी हैं और उनको रेल मंत्रालय चलाने का काफी अनुभव भी है। विपक्ष की तरफ से लगातार हो रहे रेल हादसों पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है। भारतीय रेल में लोगों की परेशानी लगातार सामने आ रही है, आए दिन लोग अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ट्रेनों की भीड़ को लेकर पोस्ट करते रहते हैं जिस पर भी सोशल मीडिया और विपक्षी नेता रेल मंत्री पर इस्तीफा देने का दवाब बनाने लगते हैं।

एआई के इस्तेमाल से नौकरियों पर बढ़ेगा खतरा? सरकार ने बताया क्या हो सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर दिग्गजों में अक्सर यह बहस छिड़ी रहती है कि क्या इसे अपनाने और विभिन्न क्षेत्रों में इसे काम पर लगाने से इंसानों के लिए रोजगार के अवसर कम हो जायेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री ने इस पर अपनी राय रखी है। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को संसद को बताया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रयोग से भारत में नौकरियां नहीं जाएंगी और कहा कि इसके विपरीत यह नई तकनीक नई नौकरियों के अवसर खोलेगी। एआई के कारण नौकरियों के नुकसान की चिंताओं पर लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उनसे प्रश्न पूछे थे। इस सवाल का जवाब देते हुए मांडविया ने कहा, जब इंटरनेट आया तो इसी तरह की अटकलें लगाई गई थीं कि इससे नौकरियां जाएंगी। जब कंप्यूटर आए, तब भी ऐसी ही बातें हुई थीं। लेकिन आज हम जानते हैं कि इस तरह की तकनीकी उन्नति से और ज्यादा अवसर ही मिले हैं। इसलिए एआई का प्रयोग नौकरियों के नए अवसर ही प्रदान करेंगे। इस दौरान मनसुख मांडविय श्रम मंत्री ने यह भी कहा कि मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से देश में बेरोजगारी दर में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 38प्रतिशत से बढ़कर 44प्रतिशत हो गई है। पश्चिम बंगाल में पर्याप्त नौकरियों की कमी के बारे में बनर्जी के सवाल उठाए जाने पर मंत्री ने निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग राज्य में इंडस्ट्रीज के सामने आंदोलन चलाते रहते हैं, उन्हें यह पता होना चाहोगे कि इसका असर नौकरियों पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी को देखते हुए, राज्य सरकार को ज्यादा निवेश और उद्योगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहिए था।

अजित पवार गुट को मिला सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, एनसीपी विवाद पर चाचा शरद की पार्टी एक्टिव

मुंबई, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बागी नेता के नेतृत्व वाले समूह को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) घोषित करने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की याचिका पर राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार और उनके समर्थक विधायकों से सोमवार को जवाब-तलब किया। न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनसीपी की स्थापना करने वाले वरिष्ठ नेता शरद पवार के नेतृत्व वाले समूह की याचिका पर उनके भतीजे अजित पवार समूह को नोटिस जारी करने का आदेश पारित किया। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 15 फरवरी को अपने आदेश में कहा था कि अजित पवार नेतृत्व वाली एनसीपी समूह असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी है। नार्वेकर ने अपने फैसले में कहा था कि प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली अयोग्यता याचिकाओं को खारिज किया जाता है। विधानसभा ने कहा था कि 30 जून से 2 जुलाई, 2023 के बीच जो घटनाक्रम हुआ, वह स्पष्ट रूप से एनसीपी के भीतर असंतोष की प्रकृति का था और पार्टी के सदस्य दो नेताओं के बीच बंटे हुए थे। उन्होंने एक-दूसरे के समूह के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने शिवसेना के यूबीटी समूह द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ दायर इसी तरह की याचिका के साथ मामले की सुनवाई करने का फैसला किया।चुनाव आयोग ने 6 फरवरी 2024 को अजित पवार के समूह को एनसीपी के रूप में मान्यता दी और इसे पार्टी का चुनाव चिह्न घड़ी के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे।

538 लोकसभा सीटों पर वोटिंग में अंतर, उत्तर प्रदेश में सभी 80 पर सवाल : एडीआर रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में 538 संसदीय सीटों पर डाले गए वोटों की संख्या और गिने गए वोटों की संख्या में विसंगतियां पाई गई हैं। भारतीय राजनीति और चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखने वाले संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) के संस्थापक प्रो. जगदीप छोकर ने सोमवार को प्रेस क्लब में रिपोर्ट जारी करते हुए ये दावा किया।

दावे के अनुसार लोकसभा की 362 सीटों पर डाले गए कुल मतों से 5 लाख 54 हजार 598 वोट कम गिने गए हैं, जबकि 176 सीटों पर डाले गए कुल वोटों से कुल 35 हजार 93 वोट अधिक गिने गए हैं।

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में, 2024 के लोकसभा चुनाव में डाले गए कुल मतों और गिने गए मतों की संख्या में अधिक विसंगतियां देखने को मिली है। वर्ष 2019 में जहां सिर्फ 347 सीटों पर विसंगतियां पाई गई थी, 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर यह आंकड़ा 538 सीट हो गया।

प्रो. जगदीप छोकर ने कहा है कि 'मतदान का अंतिम आंकड़ा जारी करने में अत्यधिक देरी, निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्रों के अलग-अलग आंकड़ों का अभाव और अंतिम मिलान किए गए आंकड़ों के आधार पर चुनाव परिणाम घोषित किए गए या नहीं, ये सभी ऐसे कारक हैं जो चुनाव परिणामों की सत्यता के बारे में आम लोगों में चिंता और संदेह पैदा किया है।'

स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है आयोग : एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा अब तक वोटों की गिनती, ईवीएम में डाले गए वोटों में अंतर, मतदान में वृद्धि, मतदान किए गए वोटों की संख्या का खुलासा न करना, डाले गए वोटों के आंकड़ों को जारी करने में अनुचित देरी और अपनी वेबसाइट से कुछ डेटा को साफ करने के अंतिम और प्रामाणिक डेटा जारी करने से पहले चुनाव परिणाम घोषित करने में कोई उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है।

मतदाताओं के मन में पैदा हुई आशंकाएं : प्रो. छोकर ने कहा कि 'लोकसभा, 2019 और लोकसभा चुनाव 2024 में देखी गई उल्लंघन, अवैधताओं और अनियमितताओं की गंभीर घटनाओं के खिलाफ उचित कदम उठाने में निर्वाचन आयोग की विफलता ने मतदाताओं के मन में आशंकाएं पैदा की हैं। इन आशंकाओं को गंभीरता से संबोधित किया जाना चाहिए और उन्हें दूर करने के लिए निर्वाचन आयोग को समुचित कदम उठाने चाहिए।

एडीआर ने इसके असर को स्पष्ट नहीं किया : एडीआर ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि डाले गए मतों की कुल संख्या और गिने गए मतों की संख्या में विसंगतियां होने से कितनी सीटों पर परिणाम अलग आए होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 538 सीटों पर कुल 5 लाख 89 हजार 691 वोट में विसंगतियां है। इसमें कहा गया है कि 362 सीटों पर डाले गए कुल मतों से 5 लाख 54 हजार 598 वोट कम गिने गए हैं, जबकि 176 सीटों पर डाले गए कुल वोटों से कुल 35 हजार 93 वोट अधिक गिने गए हैं।

17वें आम चुनाव में भी विसंगतियां मिली थीं : एडीआर ने कहा कि 17वें लोकसभा चुनाव के दौरान भी डाले गए मतों और गिने गए मतों में विसंगतियां पाई गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि विशेषज्ञों और एडीआर की एक टीम द्वारा किए गए शोध के मुताबिक विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या और गिने गए मतों की संख्या के बीच गंभीर विसंगतियां पाई गईं। 2019 के चुनावों के बारे में कहा गया है कि 542 लोकसभा सीटों में से 347 सीटों पर विसंगतियां पाई गई थी।

पिछले चुनाव में 195 सीटों पर विसंगति नहीं : रिपोर्ट के अनुसार 2019 के चुनाव में 195 सीटों पर डाले गए मतों और गिने गए मतों में किसी तरह की विसंगतियां नहीं थी। 2019 में विसंगतियां 1 वोट (सबसे कम) से लेकर 1 लाख 1323 वोटों तक थीं, जो कुल वोटों का 10.49 प्रतिशत (सबसे अधिक) था। साथ ही 2019 में लोकसभा की 6 सीटें ऐसी थीं, जहां वोटों में विसंगति जीत के अंतर से अधिक थी। विसंगतियों की कुल मात्रा 739104 वोटों की प्रकृति की थी। बिहारः कुल सीट 40, सभी सीटों पर विसंगतियां 19 सीटों पर डाले गए कुल मतों से 9924 कम मतों की गिनती।

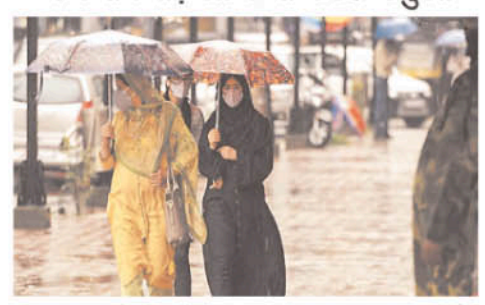

कश्मीर में झमाझम बारिश ने दी गर्मी और उमस से राहत, दरगाह पर नंगे पांव दौड़ लोग मांग रहे थे दुआ

कश्मीर , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अधिकतर स्थान पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे थे। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को श्रीनगर समेत कश्मीर घाटी के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 36 डिग्री पार कर गया था। बारिश के लिए तरस रहे सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों की टोलियों ने बडगाम में एक दरगाह पर नंगे पांव दौड़ लगाई थी। लोगों ने दुआ मांगी थी कि हे सर्वशक्तिमान हमारे पापों को क्षमा करो और बारिश करा दो। सोमवार को कश्मीर के कई स्थानों पर झमाझम बारिश हुई। इससे लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जहां लोगों को बारिश से राहत तो मिली, वहीं श्रीनगर में रविवार देर रात को न्यूनतम तापमपान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 132 वर्षों में दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। अधिकारियों ने कहा कि आज दोपहर श्रीनगर और उसके आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे लोगों को चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से काफी राहत मिली। श्रीनगर में रविवार को 1997 के बाद से अब तक का सबसे अधिक तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड तापमान दर्ज किया गया। मौसम अधिकारियों ने बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के कारण कश्मीर घाटी में मंगलवार तक प्राथमिक कक्षाओं के लिए स्कूल गतिविधियों को स्थगित कर दिया। श्रीनगर में मौसम विज्ञान केंद्र ने गुलमर्ग, तंगमर्ग और बारामूला, दूध पथरी, खान साहिब और बडगाम के आसपास के इलाकों सहित कश्मीर संभाग के कई हिस्सों में बारिश और गरज के साथ बौछार पड़ने का अनुमान जताया है।

अमरनाथ यात्रा : 31 दिनों में 4.66 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू , एजेंसी। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को 1,477 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इसी के साथ अब तक अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 4.66 लाख हो गई है। अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी। मंगलवार को 1,477 तीर्थयात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया, 377 यात्रियों को लेकर 13 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला सुबह 3.25 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 1,100 यात्रियों को लेकर 39 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला भी उसी समय दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दोनों काफिलों के आज दोपहर से पहले घाटी में पहुंचने की उम्मीद है। सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों के कारण इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है।

शाहिद अग्निवीरों पर राहुल गांधी के दावे को रक्षा मंत्रालय ने बताया गलत, मुआवजे पर दिया पूरा विवरण

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अग्निवीर वाले दावे को रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने खारिज किया है। यह कहा गया कि मिलिट्री सर्विस के दौरान जान गंवाने वाले किसी भी अग्निवीर के परिवार को 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जाती है। सूत्रों ने यह भी बताया कि इसमें बीमा और दूसरी मदें भी शामिल हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने आज लोकसभा में कहा कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि शहीद अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। मगर, उनकी बात गलत थी। उन्होंने कहा, उस परिवार को बीमा दिया गया था, मुआवजा नहीं। यह सच है। इसे कोई नकार नहीं सकता।

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, अगर मिलिट्री सर्विस के दौरान किसी अग्निवीर की मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिजनों को 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलती है। इसमें 48 लाख रुपये का बीमा है, जिस पर अग्निवीर से कोई भुगतान नहीं लिया जाता है। 44 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, सेवा निधि पैकेज लगभग 11.70 लाख रुपये और सर्विस की शेष अवधि के लिए वेतन भी शामिल है। इसके अलावा, अग्निवीरों को 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर भी मिलता है, जिसे लेकर सरकार ने कई बैंकों के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को किसी भी प्रीमियम का भुगतान करने की जरूरत नहीं होती है।

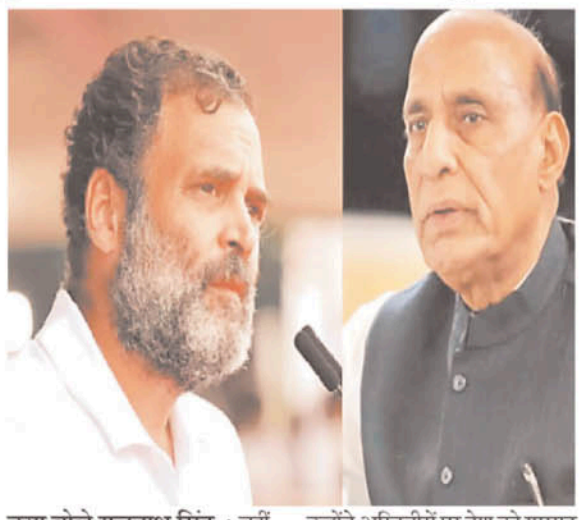

राहुल गांधी के बयान पर क्या बोले राजनाथ सिंह : वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के बयान को लेकर कहा कि उन्होंने अग्निवीरों पर देश को गुमराह करने का प्रयास किया। साथ ही, उन्होंने बजट पर भ्रांति पैदा की है।

राहुल ने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि सेना के जवानों को अग्निपथ के चक्रव्यूह में फंसाया गया। बजट में अग्निवीरों को पेंशन के लिए रुपया नहीं दिया गया। उनका भाषण संपन्न होने के बाद राजनाथ सिंह ने कहा, 'नेता प्रतिपक्ष ने बजट से संबंधित जो भी भ्रांतियां पैदा की हैं, उस पर वित्त मंत्री जवाब देते समय बात करेंगी। मेरा मानना है कि बजट को लेकर कई भ्रांतियां पैदा की गई हैं।' उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा का मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। सेना से जुड़े अग्निवीरों को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। जब भी आपका (लोकसभा अध्यक्ष) आदेश होगा मैं अग्निवीरों को लेकर अपना बयान देने के लिए तैयार हूं।

कर्नाटक सरकार में होगा बड़ा फेरबदल ! दिल्ली में महामंथन, डीके शिवकुमार पर भी हो सकता है फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी कांग्रेस सरकार पर ज्यादा ही हमलावर है। बीजेपी और जेडीएस के विपक्ष से निपटने के लिए दिल्ली में मंगलवार को महामंथन होने वाला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कई सीनियर नेता आगे की रणनीति तय करेंगे। जानकारी के मुताबिक कर्नाटक सरकार में बड़े फेरबदल पर भी फैसला किया जा सकता है।

किन मुद्दों पर होगी चर्चा : रिपोर्ट्स के मुताबिक कर्नाटक सरकार में कुछ मंत्रियों के पोर्टफोलियो में भी परिवर्तन किया जा सकता है। मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चा काफी दिनों से चल रही है। महर्षि वाल्मीकि एसटी डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के 84 करोड़ से ज्यादा रुपये के अवैध ट्रांसफर को लेकर ईडी कार्रवाई कर रही है। इस जांच में विधायक बी नागेंद्र की गिरफ्तारी हो चुकी है और उन्हें मंत्रिपद से भी हटा दिया गया है।

बीजेपी लगतारा सीएम सिद्धारमैया का इस्तीफा मांग रही है। दरअसल वित्त मंत्रालय सिद्धारमैया के ही पास है और अवैध ट्रांजैक्शन का मामला उनके विभाग से जुड़ा हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अगर वित्तीय मामलों में गड़बड़ी हो रहीथी तो पुलिस या फिर बैंक के अधिकारियों को इस घोटाले की जानकारी क्यों नहीं दी गई। अवैध रूप से सरकारी फंड के पैसे प्राइवेट अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए गए। इस बैठक में कांग्रेस नेतृत्व कर्नटाक में बीजेपी-जेडीएस से निपटने का प्लान तैयार कर कता है। दरअसल सिद्धारमैया के इस्तीफे की मांग को लेकर बीजेपी एक सप्ताह की पदयात्रा करने जा रही है। बीजेपी का आरोप है कि मैसूर अर्बन डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने करोड़ों के प्लॉट नियमों का उल्लंघन करते हुए आवंटित कर दिए। इसमें मुख्यमंत्री के रिश्तेदार भी शामिल हैं। लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद से कर्नाटक सरकार डिफेंस मोड में हैं। दरअसल लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में केवल 9 सीटें ही आई थीं। वहीं बीजेपी-जेडीएस गठबंधन ने 21 सीटों पर जीत हासिल की। अब विधानसभा में भी बीजेपी-जेडीएस जमकर सरकार को घेर रही हैं और सीएम का इस्तीफा मांग रही हैं। कर्नाटक में जल्द ही स्थानीय चुनाव भी होने जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस संगठन में भी बदलाव करना चाहती है। वहीं चर्चा यह भी है कि डीके शिवकुमार को कर्नाटक कांग्रेस चीफ के पद से हटाया जा सकता है। दरअसल कुछ नेताओं का कहना हैकि वन मैन वन पोस्ट के नियम का पालन होना चाहिए। वहीं पार्टी के अंदर उन मंत्रियों का भी विरोध हो रहा है जो जिनके विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

दिल्ली हादसे से सबक, पटना के 20 हजार कोचिंग सेंटरों की जांच शुरू

पटना , एजेंसी। दिल्ली बेसमेंट हादसे के बाद बिहार प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। पटना के डीएम ने करीब 20 हजार कोचिंग सेंटरों की जांच के आदेश दिए हैं। जांच आज (30 जुलाई) से शुरू हो रही है। डीएम चंद्रशेखर सिंह ने पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में जांच के लिए छह टीमें गठित की गई हैं। जांच टीम के सदस्य अग्निशमन अधिकारी, बीईओ, सीओ और क्षेत्र के थानाध्यक्ष होंगे। आदेश के अनुसार, टीम कोचिंग संस्थानों के रजिस्ट्रेशन, प्रवेश, निकास की व्यवस्था, सुरक्षा मानकों, बिल्डिंग बायलॉज, फायर सेफ्टी, इमरजेंसी हालात से निपटने की व्यवस्था की जांच करेगी। व्यवस्था ठीक नहीं होने पर जिला प्रशासन आगे की कार्रवाई करेगी।

बता दें कि 27 जुलाई (शनिवार) को दिल्ली में ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके स्थित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया था। जिसमें डूबने से यूपीएससी की तैयारी करने वाले तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इन छात्रों की पहचान तानिया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डेल्विन के रूप में हुई। तानिया सोनी का संबंध बिहार से ही था। वो बिहार के औरंगाबाद की रहने वाली थी। दिल्ली वो आईएएस बनने का सपना लिए आई थी और इसी को पूरा करने के लिए जी जान

से जुटी थी। राजेंद्र नगर थाने में इस मामले में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राव आईएएस कोचिंग के मालिक और कोऑर्डिनेटर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं, सोमवार को एमसीडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोचिंग सेंटर के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर अश्वनी कुमार ने स्थानीय असिस्टेंट इंजीनियर को निलंबित कर दिया है, जबकि जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त किया है। निलंबित किए गए असिस्टेंट इंजीनियर का नाम विश्राम मीणा और बर्खास्त जूनियर इंजीनियर का नाम विष्णु मित्तल है। इस हादसे में एमसीडी की यह पहली कार्रवाई है।

राजस्थान में बिजली हुई महंगी, फ्यूल सरचार्ज के बाद अब फिक्स चार्ज में बढ़ोतरी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बिजली महंगी हो गई है। फ्यूल सरचार्ज के बाद अब फिक्स चार्ज में बढ़ोतरी हुई है। राज्य विद्युत विनियामक आयोग ने फिक्स चार्ज को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जो कि दस फ़ीसदी से अधिक बढ़ोतरी की गई है। इससे नए बिजली बिल को भरने में उपभोक्ताओं को और जेब ढीली करनी पड़ेगी। मतलब पहले जो फिक्स चार्ज 230 रुपये था, अब 250 रुपये देना पड़ेगा। आयोग ने साल 2024-25 के लिए नया टैरिफ जारी किया है। बिजली कम्पनियों की याचिका पर आयोग ने नए टैरिफ तय किए हैं। आयोग ने वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित किए टैरिफ प्लान ~~छक्क~~ छोटे उपभोक्ताओं को छोड़कर अन्य श्रेणी में एनर्जी चार्जेज नहीं बढ़ाए, लेकिन पूर्व में निर्धारित फिक्स चार्ज में की गई 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। विद्युत विनियामक आयोग के नया टैरिफ प्लान के मुताबिक, 150 यूनिट तक खपत वाले सामान्य बिजली उपभोक्ता को अब हर महीने फिक्स चार्ज के रूप में 250 रुपये देने होंगे, जबकि पहले 230 रुपए हर महीने फिक्स चार्ज देना पड़ता था। 150 से 300 यूनिट तक खपत वाले बिजली

उपभोक्ताओं को हर महीने फिक्स चार्ज के रूप में 300 रुपये देना होगा। पहले इसके लिए 275 रुपए फिक्स चार्ज निर्धारित था। इसके साथ ही उद्योगों के लिए भी ली अवर और पीक आवर के हिसाब से बिजली उपयोग पर रिबेट और एक्स्ट्रा चार्ज, छोटे और मध्यम उद्योगों चार्जिंग स्टेशनों पर अगर सुबह 6 बजे से 8 बजे और शाम को 6 बजे से 10 बजे तक बिजली का उपयोग होगा तो 5 प्रतिशत अतिरिक्त चार्ज लगेगा, लेकिन अगर दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक चार्जिंग स्टेशन और मध्यम और बड़े उद्योग बिजली का उपयोग करेंगे तो 10 प्रतिशत की रिबेट भी मिलेगी। 50 यूनिट तक पहले 100 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया है। 150 यूनिट तक पहले स्थाई शुल्क 230 रुपए था जो अब बीस रुपए बढ़ाने के बाद 250 रुपए नया चार्ज है, जबकि 150 यूनिट से 300 यूनिट तक 275 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए कर दिया गया है। 300 यूनिट से 500 यूनिट तक 345 से बढ़ाकर अब 400 रुपए कर दिया गया। इसके अलावा 500 यूनिट से अधिक बिजली खर्च करने पर 450 रुपए फिक्स चार्ज वसूला जाएगा।

पेरिस ओलंपिक

चीन ने गोताखोरी में 49वें स्वर्ण के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ा, ओलंपिक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया

पेरिस, एजेंसी। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को स्पष्टीकरण देना पड़ा। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक अमेरिका के नाम भी गोताखोरी में 49 स्वर्ण है लेकिन आईओसी ने अमेरिका द्वारा 1904 ओलंपिक में 'प्लंजिंग फॉर डिस्टेंस' में जीते स्वर्ण को गोताखोरी की जगह तैराकी स्पर्धा का हिस्सा करार दिया।

चीन ने लियान जुन्जी और यांग हाओ की जोड़ी की सिंक्रोनाइज्ड 10-मीटर प्लेटफार्म में सोमवार को यहां जीत के साथ ही ओलंपिक गोताखोरी में किसी देश द्वारा सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने का इतिहास रच दिया। ओलंपिक गोताखोरी में चीन का यह 49वां स्वर्ण पदक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अमेरिका के नाम था। हालांकि, इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को स्पष्टीकरण देना पड़ा। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक अमेरिका के नाम भी गोताखोरी में 49 स्वर्ण है लेकिन आईओसी ने अमेरिका द्वारा 1904 ओलंपिक में 'प्लंजिंग फॉर डिस्टेंस' में जीते स्वर्ण को गोताखोरी की जगह तैराकी स्पर्धा का हिस्सा करार दिया। चीन ने पिछले दोनों ओलंपिक में इस खेल के आठ में सात स्वर्ण पदक जीते है। तीन दिन खत्म होने के बाद पदक तालिका की बात करें तो जापान छह स्वर्ण समेत 12 पदक के साथ शीर्ष पर है।

अर्जुन बबूता का युग 2025 में शुरू होगा: कोच दीपाली देशपांडे

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलिम्पिक खेलों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अर्जुन बबूता के चौथे स्थान पर आने के सदमे से उबरने में कोच दीपाली देशपांडे को एक घंटे का समय लगा। हजारों मील दूर बैठी दीपाली अपने सबसे मेहनती शिष्यों में से एक के दर्द को महसूस कर सकती थी जब वह अपने पहले ही ओलिम्पिक में पदक जीतने के इतने करीब था लेकिन भारी दबाव के बीच चौथे स्थान पर रहा। बबूता जब 16 साल की उम्र में राष्ट्रीय टीम में आया था तब से उसे कोचिंग दे रही दीपाली को एक ऐसा निशानेबाज मिला जिसकी मुद्रा (पॉस्चर) 'बहुत खराब थी लेकिन उसकी नजर सटीकता और परफेक्ट होने पर थी।

वर्ष 2015 में जसपाल राणा के साथ जूनियर कोचिंग टीम का हिस्सा रही दीपाली को भरोसा है कि बबूता जल्द ही इस झटके से उबर जाएगा और 2028 लॉस एंजिल्स ओलिम्पिक की ओर उनका सफर पेरिस के पास शेटराउ निशानेबाजी रेंज में होने वाले घटनाक्रमों से प्रेरित होगा। बबूता एक समय रजत पदक जीतने की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन घबराहट में खराब निशाना लगा बैठे। बुसान 2002 एशियाई खेलों की निशानेबाजी टीम स्पर्धा की रजत पदक विजेता दीपाली ने पिछले नौ साल में बबूता को परिपक्व होते हुए देखा है।

सीन नदी को लेकर विवाद जारी, पानी की खराब गुणवत्ता के कारण लगातार दूसरे दिन तैराकी अभ्यास रद्द

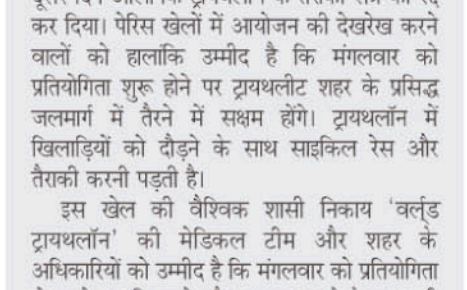

पेरिस, एजेंसी। सीन नदी में पानी की खराब गुणवत्ता के कारण अधिकारियों ने सोमवार को लगातार दूसरे दिन ओलंपिक ट्रायथलॉन के तैराकी सत्र को रद्द कर दिया। पेरिस खेलों में आयोजन की देखरेख करने वालों को हालांकि उम्मीद है कि मंगलवार को प्रतियोगिता शुरू होने पर ट्रायथलीट शहर के प्रसिद्ध जलमार्ग में तैरने में सक्षम होंगे। ट्रायथलॉन में खिलाड़ियों को दौड़ने के साथ साइकिल रेस और तैराकी करनी पड़ती है।

इस खेल की वैश्विक शासी निकाय 'वर्ल्ड ट्रायथलॉन' की मेडिकल टीम और शहर के अधिकारियों को उम्मीद है कि मंगलवार को प्रतियोगिता से पहले धूप निकलने और तापमान बढ़ने के बाद नदी के पानी में ई. कोली और अन्य बैक्टीरिया का स्तर आवश्यक सीमा से नीचे चला जाएगा। वर्ल्ड ट्रायथलॉन ने सीन में पानी की गुणवत्ता पर एक बैठक के बाद सोमवार तड़के तैराकी अभ्यास को रद्द करने का निर्णय लिया। शुक्रवार को उद्घाटन समारोह में बारिश ने खलल डाला और शनिवार को भी बारिश जारी रही, जिससे कुछ टेनिस मैच और स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता स्थगित करनी पड़ी।

रोहन बोपन्ना ने ली रिटायरमेंट बोले-

मैंने भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल लिया

पेरिस, एजेंसी। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ओलंपिक के पुरुष युगल के पहले दौर में हार का सामना करने के बाद कहा कि उन्होंने भारत के अपना आखिरी मैच खेल लिया है। बोपन्ना देश के लिए अपने करियर का अंत और बेहतर तरीके से करना चाहते थे लेकिन उन्हें इस बात पर गर्व है कि उन्होंने 22 साल के अपने करियर में कई शानदार सफलता हासिल की। बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की पुरुष युगल जोड़ी यहां दुधिया रोशनी में रविवार रात को खेले गए मैच में एडवर्ड रोजर वासेलिन और गेल मोनफिल्स की फ्रांसीसी जोड़ी से 5-7, 2-6 से हार गई। इस जोड़ी की हार के साथ ही टेनिस में 1996 के बाद भारत के लिए ओलंपिक पदक का सूखा बरकरार रहा।

दिग्गज लिएंडर पेस ने अटलांटा ओलंपिक के पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। बोपन्ना 2016 में इस सूखे को खत्म करने के करीब आए थे लेकिन मिश्रित स्पर्धा में उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी चौथे स्थान पर रही थी। बोपन्ना ने खुद को 2026 एशियाई खेलों से बाहर करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से देश के लिए मेरा आखिरी टूर्नामेंट था। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं किस स्थिति में हूं। मैं अब जब खेल सकूंगा तब टेनिस का लुत्फ उठाउंगा। वह पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने चेहरे पर मुस्कान के साथ कहा कि मैं जहां हूं वह मेरे लिए पहले ही किसी बड़े बोनस की तरह है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं दो दशकों तक भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा। मैंने 2002 में करियर की शुरुआत की थी और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल रहा है। मुझे इस पर बेहद गर्व है।

बोपन्ना ने कहा कि 2010 में ब्राजील के खिलाफ डेविस कप का 5वां मुकाबला राष्ट्रीय टीम के लिए उनका सबसे यादगार

मैच है। उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से डेविस कप इतिहास में एक है। वह अब तक मेरा सबसे अच्छा पल है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि चेन्नई में वह पल और फिर सर्बिया के खिलाफ बैंगलोर में पांच सेट में मैच जीतना भी यादगार मौका था। उन्होंने कहा कि उस समय टीम का माहौल शानदार था। ली (लिएंडर पेस) के साथ खेलना, कप्तान के रूप में हेश (महेश भूपति) के साथ खेलना कमाल का अनुभव था। उस समय मैं और सेमदेव (देववर्मन) एकल में खेलते थे और हम सभी ने पूरे जी-जान से मुकाबला किया था, यह अविश्वसनीय था। उन्होंने कहा कि बेशक, अपना पहला पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम जीतना और विश्व नंबर एक बनना बड़ी उपलब्धि रही है। मैं अपनी पत्नी (सुप्रिया) का आभारी हूं, जिन्होंने इस यात्रा में बहुत सारे बलिदान किए हैं।

बोपन्ना अपने स्तर पर युगल खिलाड़ियों की मदद कर रहे हैं और अगर उन्हें भविष्य में एआईटीए (अखिल भारतीय टेनिस संघ) के संचालन में शामिल होने का मौका मिलता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जब मैं इसे करने के लिए तैयार हो जाऊंगा तो निश्चित रूप से उन पदों पर गौर करूंगा। मैं अभी प्रतिस्पर्धा और यात्रा कर रहा हूं ऐसे में अभी इस तरह की जिम्मेदारी नहीं निभा सकता हूं। मैं इस समय इसके प्रति अपनी सौ प्रतिशत प्रतिबद्धता नहीं दे पाऊंगा। बोपन्ना ने कहा कि ओलंपिक मुकाबले में फ्रांस की टीम में मोनफिल्स की मौजूदगी से उनका काम मुश्किल हो गया। मोनफिल्स ने आखिरी समय में फैबियन रेबॉल की जगह ली थी। उन्होंने कहा कि मोनफिल्स ने मुझे बताया कि यह उसका सबसे अच्छा युगल मैच था।

एकल मैच खेलने के बाद इस मुकाबले में भी गेंद पर उसका शानदार नियंत्रण था। वह तेज प्रहार और शानदार सर्विस कर रहा था। फ्रांस की जोड़ी को स्थानीय प्रशंसकों का भी शानदार समर्थन मिला। स्टेडियम में मौजूद दर्शक लगातार अपने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई कर रहे थे। बोपन्ना ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैंने भारत में डेविस कप कभी इस तरह के माहौल में खेला है। प्रशंसक गाना गा रहे थे , शोर मचा रहे थे, उछल रहे थे। डेविस कप में मैंने यूरोप और दक्षिण अमेरिका में अकसर ऐसा देखा है।

उन्होंने कहा कि दर्शक अपने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा रहे थे लेकिन इस बात का पूरा सम्मान कर रहे थे कि टेनिस मैच खेला जा रहा है। बालाजी ने अहम समय पर अपनी सर्विस गंवा दी, जिससे वह खुद से निराश थे लेकिन बोपन्ना ने कहा कि उनके साथी ने बहुत अच्छा खेला। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा कि जिस तरह से उसने खेला उस पर उसे बेहद गर्व होना चाहिए। कुछ चीजें हैं जिन पर वह निश्चित रूप से काम कर सकते हैं और इसे आगे बढ़ने के लिए एक महान उदाहरण के रूप में ले सकते हैं।

भारत 2025 पुरुष टी20 एशिया कप की मेजबानी करेगा

● बांग्लादेश होगा वनडे प्रारूप में 2027 संस्करण का मेजबान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2025 में टी20 फॉर्मेट में पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा, जबकि बांग्लादेश 2027 में इस टूर्नामेंट के 50 ओवर के संस्करण की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान और श्रीलंका ने संयुक्त रूप से 50 ओवर प्रारूप में 2023 का पुरुष एशिया कप आयोजित किया था, जिसमें भारत विजेता रहा था।

भारत ने इससे पहले केवल एक बार 1990/91 में पुरुष एशिया कप की मेजबानी की थी, जिसमें वह कोलकाता के ईडन गार्डन में चैंपियन बना था। टेंडर डॉक्यूमेंट में यह भी कहा गया है कि पुरुष एशिया कप के दोनों भविष्य के संस्करणों में प्रति संस्करण 13 मैच होंगे। महिला टी20 एशिया कप 2026 में खेला जाएगा, हालांकि स्थान का नाम नहीं बताया गया है, इसमें कुल 15 मैच होंगे। टेंडर डॉक्यूमेंट में पुरुष अंडर-19 एशिया कप भी शामिल है, जो क्रमशः 2024, 2025, 2026 और 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक संस्करण में 15 मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा पुरुष इमर्जिंग टीम एशिया कप, 2024 और 2026 (टी20), 2025 और 2027 (50 ओवर) , में भी 50 ओवर और टी20 के 30 मैच शामिल हैं।

टेंडर राइट साइकिल में महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप के दो संस्करण भी हैं - जिसमें 2025 और 2027 में क्रमशः प्रत्येक संस्करण में 15 मैच खेले जाएंगे। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने टेंडर डॉक्यूमेंट में कहा है कि इच्छुक पार्टियों के पास 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की नेटवर्थ होनी चाहिए या 31 मार्च, 2024 तक उनका वार्षिक कारोबार 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होना चाहिए। 2024 से 2027 तक के प्रायोजन अधिकारों के लिए ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि 2 अगस्त, शाम 5 बजे दुबई के समयानुसार है।

मनु ओलंपिक के एक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

चेटौरौक्स (फ्रांस), एजेंसी। मनु भाकर ने मंगलवार को भारतीय खेल इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह एक ही ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। 22 वर्षीय निशानेबाज ने पेरिस ओलंपिक में सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर कांस्य पदक जीता।

यह उपलब्धि उनकी पिछली सफलता के बाद आई है, जहां उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया था, जो भारतीय शूटिंग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। भाकर की डबल पोडियम फिनिश ने न केवल 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत की पदक तालिका खोली, बल्कि उन्हें भारतीय एथलीटों के एक विशिष्ट समूह में भी शामिल किया। वह पी.वी. सिंधु से जुड़ती है जो दो ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं। प्रसिद्ध बैडमिंटन स्टार सिंधु ने पहली बार टोक्यो ओलंपिक में चीन की हे बिंगजियाओ को 21-13, 21-15 से हराकर कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इससे रियो ओलंपिक में उनका रजत पदक जुड़ गया, जहां उन्होंने फाइनल तक यादगार प्रदर्शन किया, लेकिन स्पेन की कैरोलिना मारिन ने उन्हें पछाड़ दिया। मिश्रित टीम स्पर्धा में भाकर और सिंह ने असाधारण संयम और कौशल का प्रदर्शन किया।

भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक मैच में अपनी सटीकता और टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए एक मजबूत दक्षिण कोरियाई टीम का सामना किया। अपने स्थिर हाथ और फोकस के लिए मशहूर भाकर ने पूरे मैच में भारत की बढ़त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायक 16-10 स्कोरलाइन के साथ हासिल की गई उनकी जीत ने दबाव में भाकर की क्षमता और लचीलेपन को रेखांकित किया। टोक्यो ओलंपिक में पदक से मामूली अंतर से चूकने के बाद, पेरिस में भाकर का प्रदर्शन उनके संकल्प और सुधार का प्रमाण है।

शर्त पर आईपीएल-2025 में खेलेंगे एमएस धोनी

बीसीसीआई पर टिका फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। एमएस धोनी आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बतौर कप्तान नहीं बल्कि एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए दिखाई दिए थे. 2024 के आईपीएल से पहले धोनी ने कप्तानी का पद छोड़ दिया था और युवा रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई की कमान सौंपी गई थी.

आईपीएल 2024 को काफी वक़्त गुज़र चुका है, लेकिन इस बात को लेकर कुछ भी साफ नहीं हो पाया है कि माही अगले सीज़न में खेलेंगे या नहीं. अब सामने आई रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे धोनी का अगला आईपीएल खेलने का फैसला एक शर्त पर टिक गया है. माही के अगले सीज़न खेलने का फैसला बीसीसीआई पर टिकता हुआ दिख रहा है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर बीसीसीआई आईपीएल में टीमों को 5-6 खिलाड़ी रिटेन करने की इजाजत देती है, तभी धोनी का एक

खिलाड़ी के रूप में खेलते रहना जारी रह सकता है. बता दें कि 2025 से पहले आईपीएल का मेगा ऑक्शन होना है. मेगा ऑक्शन से पहले इस बात की चर्चा ज़ोरों पर कि आईपीएल टीमें बीसीसीआई से 4 से ज़्यादा खिलाड़ी रिटेन करने की मांग कर रही हैं. मौजूदा वक़्त में टीमें मेगा ऑक्शन से पहले सिर्फ 4 खिलाड़ियों को ही रिटेन कर सकती है. अब देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई मेगा ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की रिटेन पॉलिसी में बदलाव करती है या नहीं.

गायकवाड़ की कप्तानी में चेन्नई आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में कदम नहीं रख पाई थी. टीम प्वाइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर रही थी. चेन्नई ने 14 में से 7 मैच जीते और 7 गंवाए थे. भले ही चेन्नई ने प्लेऑफ में जगह न बनाई हो, लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की तरफ से बैटिंग और कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला था. अब अगले सीज़न में फिर गायकवाड़ पर सभी की नज़रें होंगी.

16 साल की जिया ने रचा इतिहास

इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे युवा और सबसे तेज पैरा तैराक

नई दिल्ली, एजेंसी। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच 17 घंटे और 25 मिनट के समय में इंग्लैंड के एबट्स क्लिफ से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। उन्होंने 34 किलोमीटर की दूरी तय की। 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से पीड़ित मुंबई की 16 वर्षीय जिया राय इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज पैरा तैराक बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 28-29 जुलाई को हासिल की। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच 17 घंटे और 25 मिनट के समय में इंग्लैंड के एबट्स क्लिफ से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। उन्होंने 34 किलोमीटर की दूरी तय की। वह मुंबई में सेवारत नौसेना के मदन राय की बेटी हैं। पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) ने युवा पैरा तैराक को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

भारतीय स्टार मनिका ने फ्रांस की प्रीथिका को 4-0 से हराया, राउंड 16 में पहुंची

पेरिस, एजेंसी। मनिका बत्रा का पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन जारी है। सोमवार को भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की प्रीथिका पावड़े को लगातार चार गेमों में हराकर महिला एकल के राउंड 16 में अपनी जगह पक्की कर ली। बत्रा ने 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से राउंड 32 में पावड़े को हराया। अपनी इस जीत के साथ मनिका ओलंपिक में राउंड 16 के दौर में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। टूर्नामेंट में 18वीं वरीयता प्राप्त और विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में

विश्व की 103वें नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी पर 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अपनी पहली जीत हासिल की थी। मनिका को पहले गेम में बायें हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा। मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता।

दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई, लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया। प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया। मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए।

प्रीथिका तीन मैच प्वाइंट बचाने में सफल रही, लेकिन मनिका ने चौथे अंक को भुनाकर मैच अपने नाम किया। प्री क्वार्टर फाइनल में मनिका की भिड़ंत जापान की आठवीं वरीय हिरोनो मियू और हांगकांग की झू चेंगझू के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगी।

पूर्व मंत्री पन्ना विधायक बृजेंन्द्र प्रताप सिंह ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

अस्पताल में फैली गंदगी को देखकर नाराजगी व्यक्त की, वहीं साफ सफाई की व्यवस्था के दिये निर्देश

पन्ना। विधायक ब्रजेंद्र प्रताप सिंह ने लगातार मिल नहीं अस्पताल की व्यवस्थाओं की शिकायतों को देखते हुए अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने अस्पताल में आ व्यवस्था व अस्पताल में फैली हुई गंदगी को देखते हुए ने नाराजगी के व्यक्ति की तथा सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता को निर्देशित करते हुए अस्पताल में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था के निर्देश दिए। अस्पताल में कर्मचारियों की भर्ती को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की। इस संबंध में उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से मिलने की बात कही। श्री सिंह ने कहा कि लगातार समाचार पत्र में अस्पताल प्रबंधन की अव्यस्था को लेकर समाचार प्रकाशित होते रहते हैं इन सभी समस्याओं को निराकरण जल्दी होना चाहिए। श्री सिंह ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए की दवा केंद्रों से कोई मरीज बिना दवा के वापस न जाए तथा हमें ऐसा प्रयास करना चाहिए कि शासन की योजनाओं से कोई व्यक्ति वंचित न रहे। इस तरह से जहां पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने जिस तरह से औचक निरीक्षण करते हुये पीड़ित मरीजों का रखा खयाल जिला अस्पताल में साफ-सफाई से लेकर वहीं शासन की योजनाओं के माध्यम से जो लाभ मरीजों को मिलना चाहिये वह मिले जनप्रतिनिधि की भूमिका का किया निर्वाहन आशा व उम्मीद बनी दोनों शायद जिला अस्पताल में अब उपचार को लेकर सुधार के हालात आयें सामने यह तो आगे आने वाला वक्त ही तय करेगा।

शासकीय योजना के लाभ के लिए ई-केवायसी जरूरी

पन्ना। म.प्र. शासन के निर्देशानुसार जिले में 18 जुलाई से 31 अगस्त 2024 तक राजस्व महाअभियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। महाअभियान में समस्त भूमिधारकों द्वारा धारित भूमियों को समग्र आईडी एवं आधार कार्ड से लिंक किये जाने की योजना संचालित की जा रही है। समस्त भूमिस्वामी व प्लाट धारक दस्तावेजों में आधार कार्ड, खसरा एवं समग्र आईडी के साथ नजदीकी सीएससी सेन्टर, एमपी ऑनलाइन केन्द्र पर जाकर अपना भू-अभिलेख आधार एवं समग्र से लिंक करायें, जिससे शासन की विभिन्न प्रकार की योजनाओं के लाभ से वंचित न हों।

संचालक सैनिक कल्याण दो अगस्त को पूर्व सैनिकों से करेंगे भेंट

पन्ना। संचालक सैनिक कल्याण आगामी 2 अगस्त को पन्ना जिले के भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारी, सैनिक विधवाओं और आश्रितजनों से भेंट करेंगे। इस संबंध में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय छतरपुर द्वारा निर्धारित तिथि पर अजयगढ़-नरैनी रोड पर छठवें मील के पास फौजी ढाबा में सुबह 11.30 बजे भेंट के संबंध में सूचित किया गया है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमाण्डर रामविशाल यादव द्वारा इस अवसर पर समस्त पूर्व सैनिकों से समस्याओं का निराकरण कराने की अपील की गई है। भेंट के दौरान पहचान पत्र के साथ उपस्थित होने की सलाह दी गई है।

कल्दा क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं ने मुर्गीपालन से पांच माह में 13 लाख रूपए से अधिक कमाये

पन्ना। जिला प्रशासन पन्ना के नवाचार से एमपी डब्ल्यूपीसीएल संस्था के सहयोग से मनरेगा योजना और डीएमएफ मद से फरवरी 2024 से कल्दा पठार क्षेत्र की गरीब आजीविका मिशन समूह की आदिवासी महिलाओं के लिए मुर्गी शेड बनवाकर मुर्गीपालन की गतिविधि शुरू की गई थी। पहले इन महिलाओं की आजीविका का मुख्य साधन वनोपज व मजदूरी थी। प्रत्येक महिला सदस्य को 500 मुर्गी की क्षमता का शेड बनवाया जा रहा है। अभी तक 100 शेड पूर्ण होकर 88 शेड में मुर्गी पालन आरंभ किया जा चुका है। महिला सदस्य द्वारा केवल 35 दिन के चक्र में प्रतिदिन 3 बार मुर्गी को दाना पानी खिलाकर साफ सफाई की जाती है। मुर्गी क्रय एवं विक्रय का कार्य संस्था के द्वारा किया जाता है। गतिविधि के सफल क्रियान्वयन के लिए महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से श्यामगिरी पोल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी खोली गई है। वर्ष के अंत में कंपनी को हुए मुनाफे को बोनस के रूप में भी सभी सदस्यों में वितरित किया जायेगा। मुर्गीपालन गतिविधियों के तहत अब तक 88 महिलाओं को पांच माह में 13 लाख 28 हजार 144 रूपए प्राप्त हो चुके हैं। प्रत्येक महिला को एक 35 दिन के चक्र में मुर्गियों के वजन अनुसार 5 से 9 हजार रूपये की बचत हो रही है। महिलाऐं मुर्गीपालन गतिविधि के संचालन से काफी खुश हैं। अब उन्हें जंगल मे लकड़ी इकट्ठा करने एवं महुआ एकत्र करने की जरूरत नहीं पड़ रही है। गतिविधि के निरंतर विस्तार के लिए द्वितीय चरण में 107 मुर्गी शेड निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। सितम्बर माह तक 200 महिलाओं द्वारा मुर्गीपालन आरंभ कर दिया जाएगा। इसके अलावा 100 नवीन महिला सदस्यों का चिन्हांकन किया जा चुका है, जिनके मुर्गी शेड निर्माण का कार्य आरंभ किया जाएगा। आगामी 2 वर्ष में कल्दा क्षेत्र की कुल 500 आजीविका मिशन समूह महिलाओं को मुर्गी पालन गतिविधियों से लाभ दिया जाएगा। प्रत्येक महिला एक वर्ष में 250 दिन प्रत्येक दिन 3 घंटे कार्य कर गतिविधि से वर्ष में 50 हजार से 70 हजार रुपये तक की बचत कर सकेंगी।

कलेक्टर ने वृहस्पति कुंड पहुंचकर प्रस्तावित कार्यों के संबंध में ली जानकारी

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने गत रविवार को जिले के पर्यटन स्थल वृहस्पति कुंड पहुंचकर प्रस्तावित निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी ली और संबंधित ठेकेदार से ग्लास ब्रिज सहित अन्य निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ निर्धारित शर्तों का पालन कर पूर्ण करने के निर्देश दिए। यहाँ पर्यटन संभावनाओं के दृष्टिगत विभिन्न निर्माण कार्य किया जाना है, जिससे पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं मिलने के साथ ही क्षेत्र का विकास हो और स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिल सके। जिला कलेक्टर द्वारा वर्षा ऋतु में वृहस्पति कुंड के जल प्रपात आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने परिसर में पैदल भ्रमण कर निर्माणाधीन कार्यों का जायजा लिया तथा ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को भी देखा और वृहस्पति कुंड के प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की। साथ ही सभी विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव सहयोग की बात कही।

काजल आदिवासी का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ऑपरेशन से ही सही पीड़ा का किया गया निदान

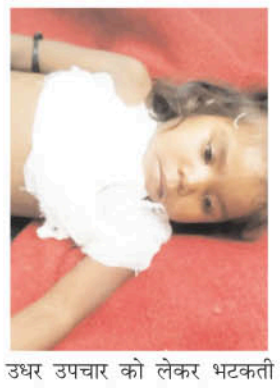

पन्ना। शासकीस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवेन्द्रनगर जो निजी अस्पताल की तरह व्यवस्थाओं में नजर आता है यहां मुखिया की कार्य प्रणाली से ही शासकीय अस्पताल के हालात सुदृढ माने जाते है। यहां मरीजों के इलाज को लेकर बीएमओ डॉ0 अभिषेक जैन की कर्तव्यनिष्ठा जो आज भी मरीजों में विश्वास व भरोसा दोनों को लेकर जानी जाती है। कई मरीज तो आपके मुरीद माने जाते है क्योंकि शासकीय अस्पताल में सेवा भाव के साथ उपचार किया जाता है आपके द्वारा ऐसी ही दास्तां कल्दा पहाड़ की गरीब आदिवासी परिवार की बेटी काजल आदिवासी जो 15 दिन से इधर-उधर उपचार को लेकर भटकती रही अंतत: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवेन्द्रनगर में उपचार को लेकर भर्ती कराया भजन लाल जो बेटी के पिता थे यहां किस तरह से जोखिम व रिक्स दोनों को कवर करते हुये चिकित्सक डॉ0 अभिषेक जैन ने संवेदनशीलता के साथ बेटी की पीड़ा जो एक फोड़ा ही सही पर जोखिम भरे हालात थे पीड़ा से जूझ रही बेटी काजल आदिवासी का उपचार ऑपरेशन की भूमिका दायित्व निर्वाहन को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवेन्द्रनगर में बीएमओ डॉ0 अभिषेक जैन ने निभाई उपचार को लेकर सफलता भी मिली और बेटी काजल आदिवासी की पीड़ा को दूर किया। जबकि अक्सर देखने को मिलता है कि शासकीय अस्पतालों में चिकित्सक ऐसे मामलों को रिफर करना उचित मानते है स्वयं मरीज की पीड़ा का गौर नहीं करते पर जिस तरह से देवेन्द्रनगर शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के बीएमओ डॉ0 अभिषेक जैन की कार्य प्रणाली है वह शायद इसीलिये सराहनीय मानी जाती है। चूंकि मरीज की पीड़ा व उपचार को दूर करना अपना कर्तव्य मानते है तभी तो डॉ0 को भगवान के बाद उन्हीं के रूप में दुख की घड़ी में उम्मीद मरीज स्वयं करते है। क्योंकि चिकित्सक ही उन्हें इलाज के माध्यम से दुख से दूर करके शुख के हालात को स्वस्थ्य करने का दायित्व निभाते है जो आज गरीब बेटी काजल आदिवासी का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवेन्द्रनगर में ऑपरेशन करके डॉ0 अभिषेक जैन ने किया दुख दूर तभी तो चर्चायें सराहनीय कार्य प्रणाली की।

वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्यामा देवी का हुआ निधन पत्रकार प्रमोद को मातृ शोक

अमानगंज

प्रतिनिधि पन्ना जिले के अमानगंज नगर में एक समय कांग्रेस की राजनीति मे सक्रिय रहने वाली महिला नेत्री श्रीमती श्यामा देवी कबीरपंथी उम्र तकरीबन 78 वर्ष का निधन आज हो गया ज्ञात हो की आप स्थानीय संवाददाता प्रमोद जी वर्मा की माताजी है जिन्होंने तकरीबन 25 से 30 वर्ष कांग्रेस संगठन को व स्थानीय जनता को अपनी सेबा दी है आपका निधन होने पर संगठन की दोनों ही राजनीतिक पार्टियों ने शोक संवेदना व्यक्त की है इस मौके पर नगर के वरिष्ठ पत्रकार साथियों ने गहन शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आपकी आत्मा की शांति हेतु शोक संवेदना प्रकट की है जिनमें मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार चंपत राय तिवारी अमित द्विवेदी प्रेम नारायण जी शर्मा पुष्पेंद्र जी विश्वकर्मा नीरज रैकवार विजय दुबे संदीप तिवारी ओंकार तिवारी संदीप चतुर्वेदी सर्वेंद्र यादव सहित स्थानीय एवं क्षेत्रीय पत्रकारों ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए मृत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से कामना की है।

दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पर होगी कार्यवाही: कलेक्टर

टीएल बैठक में हुई लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस मौके पर विभागवार लंबित टीएल, जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के पांच सौ एवं एक हजार दिवस से अधिक समयावधि के लंबित प्रकरणों का एक सप्ताह में अनिवार्यत: निराकरण सुनिश्चित करें अन्यथा आगामी टीएल बैठक में कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्यवाही की जाएगी। इसी तरह प्राथमिकता के साथ सभी लंबित शिकायतों का भी प्रति सप्ताह गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर कार्यवाही होगी। सभी अधिकारियों को नियमित रूप से विभागीय लॉग इन आईडी के माध्यम से शिकायतों का नियमित रूप से अवलोकन कर संतुष्टिपूर्वक निराकृत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए स्वयं और अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को एल-1 स्तर पर ही शिकायतकर्ता से संपर्क कर समय-सीमा में जवाब फीड करने के लिए निर्देशित किया गया। जिला कलेक्टर द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम की नागरिक सेवाओं में भी निर्धारित समयावधि में विभाग की सेवाओं का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। समय-सीमा बाह्य आवेदनों पर आगामी सप्ताह से प्रतिदिन निर्धारित राशि अनुसार अर्थदण्ड अधिरोपित करने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों को नसीहत दी कि विभागीय कार्यवाहियों और शिकायतों के समय पर निराकरण के लिए अतिरिक्त समय निर्धारित कर अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित किया जाए। टीएल बैठक में वर्चुअल शामिल हुए तहसीलदारों से समग्र खसरा लिंकिंग कार्यवाही के संबंध में जानकारी लेकर नियमित रूप से रिव्यू और प्रगति में तेजी लाने के लिए कहा। प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर हितग्राहियों को ग्राम पंचायत में दस्तावेजों के साथ आमंत्रित कर अथवा कॉमन सर्विस सेन्टर एवं लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से उक्त कार्य कराने के निर्देश दिए।

जमीन के विवाद में मां-बेटों ने की युवक की हत्या

24 घंटे के अंदर सतना पुलिस ने तीनों को किया गिरफ्तार

सतना। एमपी में सतना के रामपुर बाघेलान के बैरिहा के रहने वाले युवक संजू उर्फ सौरभ पांडे की हत्या की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने बताया कि पुराने जमीनी विवाद को लेकर एक महिला और उसके दो बेटों ने लाठियों से उस पर हमला कर दिया था। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गए थे। पुलिस ने 24 घंटों के अंदर ही मां-बेटों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बैरिहा के रहने वाले मानेंद्र पांडे ने बताया कि उसका भाई संजू खेत में जुताई के बाद ट्रैक्टर से घर वापस आ रहा था। समय रात करीबन 8 बजे मृत्युंजय पांडे, धनंजय पांडे और उनकी मां ने अपने घर के सामने संजू को रोक लिया। इसके बाद ट्रैक्टर से उसे नीचे उतार लिया और फिर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान मौके पर ही संजू ने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी रामपुर बाघेलान निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि वारदात के बाद आरोपित फरार हो गए थे। उनको पकड़ने के लिए थाना स्तर पर टीम बनाई गई और आरोपितों की तलाश में कई जगहों पर दबिश दी गई। पुलिस ने 36 साल के मृत्युंजय पांडे, 30 साल के धनंजय पांडे और उनकी 70 साल की मां कुसुमकली पति रामखेलावन पांडे को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी ग्राम बैरिहा थाना रामपुर बाघेलान के रहने वाले हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। वहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि जमीन के पुराने विवाद को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया था।

अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को शीघ्र मिलेगा शव बाहन: विधायक वर्मा

रोगी कल्याण समिति अमानगंज की बैठक हुई आयोजित

पन्ना। पन्ना जिले की अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज दिनांक 29 जुलाई 2024 को रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर राजेश जी वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें स्थानीय तहसीलदार आशुतोष मिश्रा थाना प्रभारी महेंद्र सिंह भदोरिया खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अमित मिश्रा उपस्थित रहे बैठक में सबसे पहले विधायक जी ने रोगी कल्याण समिति की आय और खर्च की जानकारी पर लिखित जानकारी चाही और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर विचार चाहे जिसमें इमरजेंसी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर खंड चिकित्सा अधिकारी से उनकी मजबूती चाही लंबे समय बाद हो रही बैठक में अस्पतालों की दुकानों से क्या आया हो रही है साथ ही ओपीडी से समिति को क्या मिल रहा है और समिति क्या खर्च कर रही है और कितने कर्मचारी समिति के माध्यम से सेवा दे रहे हैं इसमें लिखित में जानकारी लेनी चाही साथ ही अस्पताल में किन-किन उपकरणों का अभाव है और कितने पद खाली हैं उसे पर भी जानकारी ली जिसमें ज्ञात हुआ कि यहां एक्स-रे मशीन मजबूती से सेवा दे रही है सोनोग्राफी मशीन की कमी है लेब की आवश्यकता है शव बाहन की विशेष आवश्यकता है जिसमें विधायक जी ने अपने निधि से शव बाहन अस्पताल को देने की बात कही साथ ही महिला चिकित्सक का जो अभाव हैं उसे शीघ्र दूर किए जाने के विचार प्रकट किय अस्पताल में नई बिल्डिंग, नवीन शव विच्छेदन घर के निर्माण पर चर्चा कर सरकार से राशि स्वीकृत करने की बात कही और रोगी कल्याण समिति के विकास को दृष्टिगत रखते हुए नगर से नगर निकाय अध्यक्ष, सामाजिक और व्यापारी वर्ग को समिति में जोड़ने की चर्चा की सभी प्रस्ताव को एक माह के बाद अगली बैठक में पास करने पर विचार प्रकट किए रोगी कल्याण समिति का आर्थिक विकास कैसे हो इस पर हमें ध्यान देना होगा 27 दुकानों से मिल रहे किराए पर उसमें बढ़ोतरी के नियम पर चर्चा की किन दुकानों से पैसा आ रहा है और किन से नहीं इस पर भी जानकारी चाही।

देवेंद्र नगर में सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव, नागरिकों की अपील, बाईपास निर्माण की मांग

देवेंद्रनगर। जिला पन्ना (मध्यप्रदेश)' देवेंद्रनगर में सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव स्थानीय नागरिकों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। प्रस्तावित योजना के तहत, दो किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क को फोरलेन में बदलने के लिए सड़क के दोनों तरफ स्थित सभी मकानों को हटाना पड़ेगा। इससे शहर की स्थिरता को खतरा हो सकता है और नागरिकों की चिंताओं में वृद्धि हो रही है।

महत्वपूर्ण संस्थाओं की समाप्ति' सड़क चौड़ीकरण की योजना लागू होने पर अस्पताल, तहसील, स्कूल, नगर परिषद, प्रमुख मंदिर, रेंज ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, दूरसंचार ऑफिस और वन विभाग ऑफिस जैसी महत्वपूर्ण संस्थाएं समाप्त हो सकती हैं। पूरा शहर वीरान हो सकता है और कई परिवारों को अपनी जन्मभूमि छोड़नी पड़ सकती है। इससे लोगों की रोजमर्रा की ज़िन्दगी, रोजगार, शिक्षा और अन्य सुविधाओं पर गंभीर असर पड़ेगा। 'सामाजिक और आर्थिक संकट' लोग अपनी संपत्तियों को बेचने में असमर्थ हैं, और किराया बढ़ने तथा मरम्मत न करा पाने के कारण नगर की पहचान खोती जा रही है।

'विधायकों और सांसदों की अपीलरू' विधायक और सांसदों ने केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से बाईपास सड़क बनाने की मांग की है। बाईपास के निर्माण से शहर की मौजूदा संरचना को सुरक्षित रखा जा सकेगा और यातायात की समस्या का समाधान भी होगा। नगर के उत्तर और दक्षिण दोनों तरफ बाईपास निर्माण के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है। 'सरकार की प्राथमिकताएंरू' बाईपास निर्माण की प्राथमिकता पर सरकार की स्पष्टता की कमी नागरिकों की चिंताओं को बढ़ा रही है।

'रेलवे लाइन निर्माणरू' स्वतंत्रता के बाद से देवेंद्रनगर में रेलवे लाइन का निर्माण नहीं हुआ है। खजुराहो से सतना तक रेलवे लाइन निर्माणाधीन है, जो धीमी गति से चल रहा है। रेलवे सुविधा के आने से नगर के विकास की उम्मीदें थीं, लेकिन सड़क चौड़ीकरण की योजना से ये आशाएँ धूमिल हो सकती हैं। 'फोरलेन का भविष्यरू' बढ़ते यातायात को देखते हुए फोरलेन का भविष्य 10 वर्षों से अधिक टिकाऊ नहीं हो सकता। इसके बावजूद, सरकार के निर्णय में दूरदर्शिता की कमी है।

सड़क चौड़ीकरण और बाईपासरू नगरवासियों का कहना है कि यदि सड़क चौड़ीकरण पर अडिग रहा गया, तो यह सौ साल पुराना शहर संकट में पड़ सकता है। वे न्यायालय और आंदोलन की भी तैयारी कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि बाईपास निर्माण की योजना को प्राथमिकता दी जाए। 'सरकारी जिम्मेदारी' नगरवासियों का साफ कहना है कि सरकार को उनके साथ अन्याय करने का अधिकार नहीं है। इस मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई की जाए और बाईपास निर्माण की योजना को प्राथमिकता दी जाए। 'निष्कर्ष' देवेंद्रनगर की वर्तमान स्थिति और भविष्य की अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए, नागरिकों की अपील है कि सरकार बाईपास निर्माण को प्राथमिकता दे और सड़क चौड़ीकरण की योजना पर पुनर्विचार करे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, बुधवार 31 जुलाई 2024 | 8

68 वर्ष के अपने जीवन में 51 वर्ष समूचे समाज को समर्पित करने वाले विंध्य क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी, विचारक, पत्रकार, कवि, मीसाबंदी एवं प्रखर वक्ता सुभाष श्रीवास्तव के 68वें जन्मदिवस पर, कला के क्षेत्र में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले कलाकारों के सम्मान हेतु शहर के सर्व सामाजिक संगठन अंतर्गत 111 सामाजिक संगठनों द्वारा 68 कलाकारों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया!

बाढ़ तथा अतिवृष्टि से निपटने के लिए सभी तैयारियां रखें

बाढ़ से निपटने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत रखकर सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान हो: कलेक्टर

रीवा

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बाढ़ तथा अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारी बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने की सभी तैयारियाँ रखें। बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में राहत और बचाव के लिए आवश्यक तैयारी रखें। जिले में मुख्य रूप से त्योंथर क्षेत्र के गांवों तथा रीवा शहर के कुछ मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित होते हैं। अधिक वर्षा की स्थिति में इन क्षेत्रों में सजगता से निगरानी करें। सभी एसडीएम अपने-अपने अनुभाग में आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम, सीएमओ तथा जनपद के सीईओ अपने वाहनों में टार्च, रस्सी तथा लाउड स्पीकर की व्यवस्था रखें।

कलेक्टर ने कहा कि जिला के साथ-साथ सभी तहसीलों में बाढ़ संबंधी सूचनाएं देने के लिए कंट्रोल रूम संचालित रहें। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन सभी बांधों में स्थापित कंट्रोल रूम से सूचनाएं लेकर जिला और तहसील के कंट्रोल रूम को समय पर देना सुनिश्चित करें। जिले में टमस, बीहर, बेलन तथा मिर्जापुर जिले में अतिवर्षा व वहां के बांधों के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। बाणसागर बांध, बकिया बराज तथा उत्तर प्रदेश के मेजा, सिरसी एवं अदवा बांधों में तैनात अमले के साथ लगातार सूचनाओं का आदान प्रदान करें।सभी एसडीएम बाढ़ की स्थिति में प्रभावितों को सुरक्षित रखने, उनके भोजन तथा उपचार आदि की व्यवस्था रखें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नाव रखने वाले तथा तैराकों की ग्रामवार सूची रहे। ग्राम स्तर के कर्मचारियों के फोन नम्बर प्राप्त कर कंट्रोल रूम में रखें। आपदा प्रबंधन के लिए तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों के मोबाइल नम्बर अपडेट हो। कमाण्डेंट होमगार्ड जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के सहयोग से जिले के सभी जलप्रपातों में सुरक्षा उपाय तथा बोर्ड लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वर्षाकाल में जो रपटे पानी आने के कारण प्रभावित रहते हैं वहां संकेतक लगे रहें तथा इसका टीम भेजकर परीक्षण करायें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कार्यपालन यंत्री पीएचई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में जल शोधन दवाएं भण्डारित कराएं। वर्षाकाल में दूषित जल से डायरिया फैलने की आशंका रहती है इसलिए वहां पीएचई पानी के सैंपल लेकर क्लोरीनेशन करें तथा गांवों में क्लोरीन आदि की गोलियाँ भण्डारित करायें। सीएमएचओ राहत एवं बचाव कार्य के लिए आवश्यक दवाओं की व्यवस्था कर लें। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी दी। जिला होमगार्ड अधिकारी ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए दल गठित कर दिए गए हैं। साथ ही आवश्यक उपकरणों की मरम्मत भी करा ली गई है। बैठक में एसडीएम त्योंथर राजेश जैन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पिछड़ावर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में प्रवेश हेतु आवेदन की आज अंतिम तिथि

रीवा। पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक बालक एवं कन्या छात्रावास में प्रवेश के लिये 31 जुलाई को शाम 6 बजे तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। सहायक संचालक योगेन्द्र राज से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बालक छात्रावास में 16 छात्रों को तथा कन्या छात्रावास में 100 छात्राओं को प्रवेश दिया जाना है। उन्होंने शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा तकनीकी संस्था प्रमुखों से छात्रावास में प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राओं को सूचित करने की अपेक्षा की है। प्रवेश के संबंध में आवेदन छात्रावास अधीक्षक तथा कार्यालय कलेक्टर पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण कक्ष क्रमांक 15 कलेक्टर कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जन-औषधि केंद्रों के लाभ के प्रति आमजन को करें जागरूक: उप-मुख्यमंत्री

रीवा। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि परियोजना के मध्यप्रदेश में क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने जन-औषधि केंद्रों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए और जागरूकता लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जन-औषधि मेला लगाये जाने की व्यवस्था करें ताकि इच्छुक व्यक्ति आगे आयें साथ ही आमजन को भी जन-औषधि केंद्रों की सुविधाओं और लाभों के प्रति जागरूक किया जाये। वर्तमान में मध्यप्रदेश में 412 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र संचालित हैं।

उल्लेखनीय है कि सभी को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा नवंबर 2008 में पूरे देश में 'जन औषधि योजना' शुरू की गई थी। योजना का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना है। आमजन में इस बात की जागरूकता लाना कि दवाइयों की उच्च कीमत उच्च गुणवत्ता का पर्याय नहीं है। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में उपलब्ध दवाएँ गुणवत्ता परीक्षण की भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार हैं एवं उनका नियमानुसार परीक्षण किया जाता है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री मो. सुलेमान, एमडी एमपीपीएचएससीएल डॉ पंकज जैन, कंट्रोलर एफडीए श्री मयंक अग्रवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार मेला आज

रीवा। मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत जिले के बेरोजगार युवकों-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये जिला रोजगार कार्यालय शिल्पी प्लाजा बी ब्लाक में 31 जुलाई को प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि एलएण्डटी (आईसेक्ट) कंपनी में ट्रेनींज पद के लिए 18 से 28 वर्ष के 10वीं, 12वीं, आईटीआई एवं डिप्लोमा/बी.ई. पास इच्छुक बेरोजगार युवक-युवती जिन्हें 11 हजार से 20 हजार वेतनमान मिलेगा भाग ले सकते हैं। जबकि ट्रेनीज पद में 19 से 28 वर्ष के युवा आईटीआई इलेक्ट्रीशियन /फिटर/टर्नर पद पर 11 हजार से 13 हजार रूपये प्रतिमाह वेतनमान के लिए युवा आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार ग्रेट गेलियान बेंचर्स लिमिटेड (आईसेक्ट) कंपनी में ट्रेनीज युवक-युवती जिनकी आयु 19 से 28 वर्ष हो तथा जो बीएससी, आईटीआई डिप्लोमा (एमई) इलेक्ट्रीशियन/ फिटर /टर्नर/ बेल्डर पास हो भाग ले सकते हैं जिन्हें प्रतिमाह 12 हजार से 14 हजार रूपये वेतनमान मिलेगा। प्रगतिशील बायोटेक रीवा कंपनी के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेल्स आफीसर पद के लिए 18 से 40 वर्ष आयु के 12वीं, बीएससी (एजी), एमएससी (एजी) तथा एमबीए पास युवक-युवतियों को 8500 रूपये से 22 हजार रूपये प्रतिमाह वेतनमान देय होगा जबकि एचडीएफ लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में इंश्योरेंस एडवाइजर पद के लिए 18 से 45 आयु के 10वीं, 12वीं अथवा स्नातक पास युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं जिन्हें प्रतिमाह 12 हजार से 25 हजार रूपये प्रतिमाह वेतनमान देय होगा। अभ्यर्थियों को अपने साथ अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं पासपोर्ट साइज दो फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

सभी आहरण संवितरण अधिकारी वेतन आज तक अनिवार्यतः जनरेट करें

रीवा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार शुक्ला ने जिले के सभी आहरण संवितरण अधिकारियों से 31 जुलाई तक वेतन देयक जनरेट करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारी 31 जुलाई तक अनिवार्यतः वेतन देयक जनरेट कर कोषालय को आनलाइन प्रस्तुत कर दें जिससे एक अगस्त को शत-प्रतिशत अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जा सके। समय पर वेतन जनरेट न करने पर माह की प्रथम तारीख को वेतन दिया जाना संभव नहीं होगा। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन किसी कारणवश रोका गया है, उन्हें छोड़कर शेष सभी के वेतन देयक जनरेट कर दें।

जन सुनवाई में आमजनता के 79 आवेदन पत्रों में हुई सुनवाई

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जन सुनवाई में आमजनता से प्राप्त 79 आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले ने आवेदन पत्रों में सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदन पत्रों के समुचित निराकरण के निर्देश दिए। संयुक्त कलेक्टर ने जन सुनवाई से अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। जन सुनवाई में सीमांकन, नामांतरण, जमीन से अवैध कब्जा हटाने, पेंशन भुगतान, खसरे में सुधार, नाली निर्माण तथा बिजली बिल में सुधार सहित विभिन्न

आवेदनों में सुनवाई की गई। जन सुनवाई में ऊषा मिश्रा निवासी वार्ड क्रमांक 12 रीवा ने विशाल मेगा मार्ट के पीछे 90 फिट नाली निर्माण के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने निर्माण प्रभारी नगर निगम को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। चन्द्रबली तिवारी निवासी सिरमौर ने उनके आवास में अवैध रूप से लगाए गए ताले को खुलवाने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम सिरमौर को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। विपुल आर्य निवासी गुढ़ चौराहा ने सार्वजनिक नाले में किए गए अवैध कब्जे को हटाकर पानी की निकासी के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। बुद्धसेन पटेल निवासी ग्राम कुआं ने बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन दिया। संभागीय यंत्री विद्युत मण्डल को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। दीनदयाल सिंह सेवानिवृत्त प्राचार्य निवासी रीवा ने उनकी रोकी गई पेंशन की 10 प्रतिशत राशि के भुगतान के लिए आवेदन दिया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन पदाधिकारी एम.बी. ओझा ने सहकारी समिति के निर्वाचन हेतु सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया है। माँ शारदा महिला बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति मर्यादित त्योंथर के लिए सहकारी निरीक्षक विकास माठे, अटल कृषक उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित नष्टिगवां के लिए उप अंकेक्षक बीएल कनौजी, बालाजी पेंटर सहकारी समिति मर्यादित जोन्हा के लिए सहकारी निरीक्षक अम्बरीश देव बघेल तथा प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति मर्यादित रघुनाथगढ़ वनपाल गोपाल को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कमिश्नर ने एसडीएम हुजूर न्यायालय का किया निरीक्षण

रीवा। संभाग के सभी जिलों में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने एसडीएम हुजूर न्यायालय का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने कहा कि अविवादित नामांतरण, अविवादित बंटवारे तथा अभिलेखों में सुधार के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। प्रत्येक प्रकरण की फाइल और अभिलेख व्यवस्थित रखें।

राजस्व प्रकरण में तर्कसंगत अभिलेख होने पर ही आपत्ति दर्ज करें। कम से कम पेशियों में प्रकरण निराकृत करने का प्रयास करें। संभागीय मुख्यालय की तहसील होने के कारण हुजूर तहसील में प्रकरणों की संख्या अधिक है। कमिश्नर ने विभिन्न कक्षों का भ्रमण करते हुए नामांतरण, सीमांकन, बंटवारे तथा अन्य राजस्व अभिलेखों की नस्तियों का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने कहा कि एसडीएम लंबित राजस्व प्रकरणों में सात दिन की समय सीमा में पटवारियों से प्रतिवेदन प्राप्त करना सुनिश्चित करें। समय पर प्रतिवेदन न मिलने से बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। अभिलेखों में सुधार तथा किसान सम्मान निधि में ई केवाईसी के लंबित सभी प्रकरणों का 31 अगस्त तक निराकरण कराएं। एसडीएम और तहसीलदार ग्राम स्तरीय शिविरों तथा ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से शामिल हों। निरीक्षण के समय उपस्थित कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले की विभिन्न तहसीलों में राजस्व महाअभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण के समय उपस्थित एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने राजस्व प्रकरणों की जानकारी दी। निरीक्षण के समय उपायुक्त डीएस सिंह, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला तथा निरीक्षण दल के सदस्य उपस्थित रहे।

अंगदान, प्रत्यारोपण में इमर्जिंग स्टेट कैटेगरी में मध्यप्रदेश होगा पुरस्कृत

रीवा। मध्यप्रदेश को 14वें भारतीय अंगदान दिवस (आईओडीडी) 3 अगस्त 2024 को अंगदान/प्रत्यारोपण में उभरते राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा नई दिल्ली में मध्यप्रदेश को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करेंगे। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने समस्त विभागीय अधिकारियों और जागरूक नागरिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल अंगदान प्रक्रिया को सहज और जन-सुविधाजनक बनाने के लिए सतत प्रयासरत रहे हैं। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि अंगदान जीवनदान है।अंगदान एक महान सेवा है। दान किया गया एक अंग किसी के जीवन को नई उम्मीद और खुशियाँ दे सकता है। अंगदान से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को जीवन का दूसरा मौका मिल सकता है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसान आज तक करा सकते हैं बीमा

रीवा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2024 में अधिसूचित फसलों का बीमा 31 जुलाई तक कराया जा सकता है। अपेक्षित घटनाओं के कारण फसल की क्षति अथवा हानि से प्रभावित किसान उक्त बीमा करा सकते हैं जिसमें प्रभावित किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जाती है। ऋणी किसान किसान क्रेडिट कार्ड पर फसल ऋण प्रदायकर्ता बैंकों, सहकारी समितियों तथा अऋणी किसान बैंक/जन सेवा केन्द्र (सीएससी) ग्राम पंचायत स्तर पर जन सेवा केन्द्र (सीएससी) के माध्यम से भू-ऋण अधिकार पुस्तिका/बी-1, बैंक खाते की पासबुक, आधार कार्ड की छायाप्रति और आधार से लिंक मोबाईल नंबर, पटवारी/सचिव ग्राम पंचायत/किसान द्वारा स्वप्रमाणित फसल बुआई का प्रमाण पत्र एवं फसलवार प्रिमियम राशि जमाकर निर्धारित तिथि तक फसल बीमा करा सकते है। फसल बीमा से संबंधित जानकारी के लिये कंपनी के जिला प्रतिनिधि भूपेन्द्र सेन मो.नं. 9685310344 और कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी/कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है। उप संचालक कृषि कल्याण यूपी बागरी ने किसान भाईयों से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ 2024 हेतु फसल बीमा कराकर फसल हानि/क्षति होने की स्थिति में बीमा का लाभ लें।

शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व समस्त वर्षों के मेडिकल छात्रों के लिए हिन्दी में पाठ्य सामग्री करायें उपलब्ध: शुक्ल

चिकित्सा शिक्षा की कुल 20 पुस्तकों में 15 वर्तमान में उपलब्ध

रीवा। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में हिन्दी में एमबीबीएस पाठ्य-सामग्री की उपलब्धता की समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व चिकित्सा शिक्षा सभी वर्षों की पाठ्यपुस्तकों की हिन्दी भाषा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उप-मुख्यमंत्री ने वर्षवार और विषयवार पाठ्यपुस्तकों के लिप्यंतरण कार्य की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिन्दी भाषा में एमबीबीएस पाठ्यक्रम का लाभ ले रहे छात्रों के फीडबैक

के संबंध में जानकारी प्राप्त की। लगभग 10 प्रतिशत विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पाठ्यपुस्तकों का लाभ ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न वर्षों की कुल 20 पुस्तकों में से 15 पुस्तकों का लिप्यंतरण किया जा चुका है और ये शासकीय मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं। साथ ही शेष 5 पाठ्यपुस्तकों का लिप्यंतरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। जिनके मूल्यांकन के उपरांत प्रिंटिंग की कार्यवाही 10 सितंबर तक पूर्ण कर ली जाएगी। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मो. सुलेमान, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण कुमार पिथोड़े, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ अरुण श्रीवास्तव, प्रोफेसर श्वसन चिकित्सा विभाग एवं राज्य नोडल अधिकारी हिन्दी प्रकोष्ठ डॉ लोकेंद्र दवे, उप कुलसचिव एवं राज्य समन्वयक हिन्दी प्रकोष्ठ श्रीमती अमृता बाजपेयी, सलाहकार हिन्दी प्रकोष्ठ चिकित्सा शिक्षा श्रीमती रागिता अग्निहोत्री सहित विभिन्न पुस्तकों के लिप्यंतरण में कार्य कर रहे प्रोफेसर और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

निजी क्षेत्र में कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने के लिए आवेदन 14 अगस्त तक

रीवा। खेती को आधुनिक बनाने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं से कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत शासकीय क्षेत्रों के साथ-साथ निजी क्षेत्र में कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इसमें ट्रैक्टर, रोटावेटर, सीडड्रिल सहित विभिन्न आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध रहेंगे। किसान निर्धारित राशि देकर इनका उपयोग कर सकेंगे। निजी क्षेत्र में कस्टम हायरिंग सेंटर खोलने के लिए 14 अगस्त 2024 तक ऑनलाइन आवेदन दर्ज किए जा सकते हैं। इसके आवेदन पत्र कृषि अभियांत्रिकी विभाग के पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सीएचसी डॉट एमपी डीएजीई डॉट ओआरजी पर उपलब्ध हैं। पूरे प्रदेश में एक हजार कस्टम हायरिंग सेंटर खोले जा रहे हैं। इसमें अनुसूचित जनजाति के लिए 173, अनुसूचित जाति के लिए 161, सामान्य वर्ग के लिए 572, आजीविका मिशन के कृषक समूहों के लिए 52 तथा अन्य एफपीओ के लिए 52 सेंटरों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आवेदन के साथ 10 हजार रुपए के बैंक ड्राफ्ट की स्केन कॉपी ऑनलाइन अपलोड करनी होगी। अभिलेखों के सत्यापन के समय इसे प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। अभिलेखों का सत्यापन जिला स्तर पर 20 और 21 अगस्त को उप संचालक कृषि कार्यालय पर किया जाएगा। कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को कृषि यंत्रों की खरीद में 40 प्रतिशत तक अथवा अधिकतम 10 लाख रुपए अनुदान दिया जाएगा। इसके हितग्राही को भारत सरकार के एग्रीकल्चर इन्फ्रा स्ट्रक्चर फण्ड से भी लाभ की पात्रता होगी। एक आवेदक केवल एक जिले के लिए ही आवेदन कर सकेगा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833